वर्ष : 33 » अंक : 169 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, मंगलवार, 3 सितंबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

दो बजे दोपहर

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भ्रष्टाचार की CBI जांच के 6900 से अधिक मामले कोर्ट में लंबित

सीबीआई की कछुआ चाल

» 361 केस तो 20 वर्षों से ज्यादा वक्त से फंसे

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की एक वार्षिक रिपोर्ट सामने आई है। इसमें दावा किया गया है कि सीबीआई ने जिन 6,900 भ्रष्टाचार के मामलों की जांच की है। इनमें से 361 की सुनवाई 20 साल से अधिक समय से विभिन्न अदालतों में लंबित है। इसके अलावा, भ्रष्टाचार के 658 मामले सीबीआई जांच के लिए लंबित हैं। इनमें से 48 मामले पांच साल से अधिक समय से लंबित हैं। आयोग का कहना है कि अदालतों के समक्ष मुकदमे के तहत कुल 6,903 मामलों में से पिछले साल 31 दिसंबर तक तीन साल से कम समय से 1,379 लंबित थे। जबकि तीन साल या पांच साल से अधिक समय से 875 और पांच साल या 10 साल से अधिक समय तक 2,188 मामले लंबित थे।

2,100 मामले 10 साल या बीस साल से अधिक समय तक लंबित

सीवीसी की वार्षिक रिपोर्ट 2023 के अनुसार, कम से कम 2,100 मामले 10 साल या बीस साल से अधिक समय तक लंबित थे। जबकि 20 साल से अधिक समय से 361 मामले लंबित थे। इसमें यह भी दावा किया गया कि पिछले साल 31 दिसंबर तक 6,903 मामलों की सुनवाई लंबित थी। यह चिंता का विषय है कि 2023 के अंत में 2,461 मामले 10 से अधिक सालों से लंबित थे।

हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में 12,773 अपील लंबित

आगे कहा गया कि सीबीआई और आरोपियों द्वारा 12,773 अपील अलग-अलग हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित थीं। हाल ही में जारी रिपोर्ट के अनुसार, 20 सालों से 501 अपील, 15 सालों से अधिक लेकिन 20 साल से कम समय में 1,138 अपील लंबित थीं। वहीं, 10 सालों से अधिक मगर 15 साल से कम 2,558, पांच सालों से अधिक लेकिन 10 साल से कम 3850, दो साल से अधिक और पांच से कम 2172 तथा दो साल से कम समय से 2554 अपील लंबित थीं।

48 मामलों की जांच पांच साल से अधिक समय से लंबित

सीबीआई द्वारा जांच किए जा रहे 658 लंबित मामलों की जानकारी देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि 48 मामलों की जांच पांच साल से अधिक समय से लंबित है, 74 मामलों की जांच तीन साल से अधिक लेकिन पांच साल से कम समय से लंबित है। वहीं, 75 मामलों की जांच दो साल से अधिक मगर तीन साल से कम समय से, 175 मामलों की जांच एक साल से अधिक, लेकिन दो साल से कम समय से लंबित है और 286 मामलों की जांच एक साल से कम समय से लंबित है।

मराठावाड़ा में भारी बारिश

चार की मौत, जनजीवन अस्त-व्यस्त

दोपहर संवाददाता । मुंबई

राज्य के मराठवाड़ा क्षेत्र में सोमवार सुबह नौ बजे तक पिछले 24 घंटे में भारी बारिश हुई। इस कारण परभणी जिले के पथरी गांव में सबसे अधिक 314 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं चार लोगों की मौत हो गई और ग्रामीण इलाकों में सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ।

63 गांव के लोग प्रभावित : राजस्व अधिकारियों के अनुसार, बारिश से कम से कम 63 गांवों के लोग प्रभावित हुए हैं और 45 हेक्टेयर भूमि पर बने कुछ घर और फसलें क्षतिग्रस्त हो गई हैं। नांदेड़ में विष्णुपुरी बांध के गेट सोमवार सुबह हटा दिए गए। जायकवाड़ी बांध में जलस्तर बढ़ने के कारण गोदावरी नदी के निचले इलाकों में स्थित गांवों के लिए अलर्ट जारी किया गया है।

कहां-कितनी हुई बारिश?

अधिकारियों के अनुसार, मराठवाड़ा के सभी आठ जिलों में 284 राजस्व सर्किलों में रविवार को 65 मिमी से अधिक भारी बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक 314 .50 मिलीमीटर बारिश पाथरी गांव में दर्ज की गई। इसके बाद परभणी के बाभलगांव में 277 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। वहीं, भारी बारिश के कारण हिंगोली और सेनगांव गांवों को जोड़ने वाला एक पुल डूब गया। सिद्धेश्वर, जायकवाड़ी और विष्णुपुरी बांधों से सोमवार को पानी छोड़ने का काम शुरू हो गया, जबकि 11 बड़ी परियोजनाओं में जल भंडारण का स्तर बढ़कर 71 .44 प्रतिशत हो गया। विष्णुपुरी बांध पूरी तरह से पानी से लबालब है, जबकि जायकवाड़ी में जल भंडारण 87 .03 प्रतिशत तक पहुंच गया है। जायकवाड़ी बांध की दाहिनी नहर से 700 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि नांदेड़ में विष्णुपुरी बांध के 10 गेट को हटा दिया गया और 1.01 लाख क्यूसेक की दर से पानी छोड़ा गया।

चार लोगों की गई जान

उन्होंने कहा, 'बारिश के बीच एक सितंबर को कम से कम चार लोगों और 88 जानवरों की जान चली गई। 29 पक्के और 135 कच्चे मकान क्षतिग्रस्त हुए। इसी तरह, 18 गांवों के 74 किसानों की 45 .20 हेक्टेयर भूमि पर फसलें भी प्रभावित हुईं।'

न्यूज़ ब्रीफ

आरजी कर कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल गिरफ्तार

कोलकाता। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष को CBI ने गिरफ्तार कर लिया है। कॉलेज में भ्रष्टाचार करने के मामले में CBI ने उसे 16 अगस्त को हिरासत में लिया था। आज उसे CBI के स्पेशल क्राइम ब्रांच ऑफिस से CBI की एंटी करप्शन ब्रांच ले जाया गया। CBI ने 24 अगस्त को घोष के खिलाफ वित्तीय अनियमितता का मामला दर्ज किया था। CBI ने यह कार्रवाई कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर की थी। इसके बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) ने 28 अगस्त को संदीप घोष की सदस्यता सस्पेंड कर दी थी।

2273 करोड़ के सट्टा गिरोह का सरगना यूएई से गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई, गुजरात पुलिस व इंटरपोल ने संयुक्त कार्रवाई में 2,273 करोड़ रुपए से अधिक के अंतरराष्ट्रीय सट्टा गिरोह के सरगना दीपक कुमार धीरजलाल ठक्कर को यूएई में गिरफ्तार किया। गुजरात पुलिस की टीम रविवार को ठक्कर को लेकर अहमदाबाद पहुंची। सीबीआई ने रविवार को बताया कि गुजरात पुलिस और इंटरपोल एनसीबी, अबू धाबी की मदद से ठक्कर को पकड़ने में सफलता मिली। गुजरात पुलिस ने ठक्कर के खिलाफ 25 मार्च, 2023 को अहमदाबाद में मामला दर्ज किया था। आपराधिक विश्वासघात, धोखाधड़ी, जालसाजी, आपराधिक षड्यंत्र, आईटी कानून एवं जुआ रोकथाम कानून के उल्लंघन में वांछित ठक्कर के खिलाफ रेड नोटिस जारी किया गया था।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर 35 जिलों का सर्वे

महायुति को जोर का झटका!

दोपहर संवाददाता । मुंबई

लोकसभा चुनावों में बड़े उलटफेर के बाद पूरे देश की नजरें महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों पर लगी हुई हैं। विधानसभा चुनावों में सत्ता पर काबिज महायुति और विपक्ष के गठबंधन महाविकास आघाड़ी (MVA) में मजबूत टक्कर होने की उम्मीद की जा रही है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली महायुति सरकार ने विधानसभा चुनावों से ठीक पहले एक बड़ा दांव खेला है। सरकार ने मुख्यमंत्री लाडली बहन योजना लांच की है। महायुति की इस महत्वाकांक्षी योजना के बाद राज्य में कितना असर पड़ रहा है? महाराष्ट्र में अगर अभी चुनाव हो जाएं तो क्या तस्वीर उभर सकती है? मुंबई और समेत राज्य के बाकी जिलों में महायुति और महाविकास आघाडी की क्या स्थिति रह सकती है? इसका अनुमान एक ताजा सर्वे में सामने आया है।

महाराष्ट्र के सबसे बड़ा सर्वे

महाराष्ट्र के वरिष्ठ सेफोलॉजिस्ट दयानंद नेने ने 16 अगस्त से 25 अगस्त के बीच एक बड़ा सर्वे किया है। एम्पिरीकल और मास सर्वे के नतीजों में सामने आया है कि लाडली बहन योजना महायुति के पक्ष के कोई बड़ी लहर पैदा नहीं कर रही है। राज्य में कानून व्यस्था के साथ बेरोजगारी बड़ा मुद्दा है। सर्वे में शामिल लोगों से महायुति और महाविकास आघाडी के साथ अन्य में पसंद और वोट करने के लिए पूछा गया। इसमें मनसे को भी अन्य की श्रेणी में रखा गया, तो सर्वे में चौंकाने वाली तस्वीर उभरी। इसमें साफ हुआ कि राज्य में लाडली बहन योजना लांच होने के बाद भी लोगों के मन-मस्तिष्क में बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है। जब लोगों से महायुति के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो 28 फीसदी लोगों ने अच्छा, 20 फीसदी ने संतोषजनक, 20 फीसदी ने खराब, 21 फीसदी ने असंतोषजनक और 11 फीसदी ने पता नहीं कहा। नेने ने अपने जुलाई के अंत के सर्वे में महाविकास अघाडी (एमवीए) को 158 सीटें और महायुति को 122 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया था। अब, डेढ़ महीने बाद किए गए दूसरे सर्वेक्षण में सामने आया है कि जनता की राय में अभी भी कोई खास अंतर नहीं हुआ है। आज महाविकास अघाडी 158 के मुकाबले 152 पर है, जबकि महायुति 122 के मुकाबले 123 पर स्थिर है। सर्वे में अगले मुख्यमंत्री के तौर देवेंद्र फडणीस को ज्यादा लोगों ने पसंद किया। दूसरे नंबर पर उद्धव ठाकरे और फिर एकनाथ शिंदे रहे।

भाजपा विधायक नितेश राणे की बढ़ी मुश्किलें

» हेट स्पीच मामले में FIR दर्ज

दीपक पवार । मुंबई

महाराष्ट्र के बीजेपी विधायक नितेश राणे पर भड़काऊ भाषण देने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुसलमानों को लेकर खुली धमकी दी थी। इस दौरान उन्होंने कहा था कि वो चुन-चुन कर मारेंगे। जिसके बाद उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 302, 153 समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। नितेश राणे के ऊपर एक नहीं बल्कि दो-दो मामले दर्ज किए गए हैं। पहला मामला श्रीरामपुर और दूसरा तोपखाना थाने में दर्ज हुआ है। मामला दर्ज कराने वाले लोगों का कहना है कि उन्होंने मुसलमानों को खुलेआम धमकी दी है।

'मस्जिदों में घुसकर चुन चुन कर मारेंगे'

बता दें कि अहमदनगर में रामगिरी महाराज के समर्थन में एक मोर्चे का आयोजन किया गया था। इस मोर्चे में भारी संख्या में हिंदू समाज के लोग पहुंचे थे। तभी नितेश राणे ने सभा में मुसलमानों को खुली धमकी दे डाली। उन्होंने कहा, 'हमारे रामगिरी महाराज के खिलाफ अगर कोई कुछ कहता है तो मस्जिदों मे घुसकर चुन चुन कर मारेंगे।' यह मोर्चा महंत रामगिरी महाराज द्वारा मुसलमानों के पैगंबर पर टिप्पणी के बाद निकाले गए थे।

सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की कोशिश

महाराष्ट्र के अलग-अलग जिलों में महाराज के खिलाफ मोर्चे निकाले गए थे। इसी क्रम में अहमदनगर में सकल हिंदू समाज की ओर से भी मोर्चा निकाला गया। जिसके समर्थन में बीजेपी नेता नितेश राणे भी पहुंचे। जब उन्होंने ये बयान दिया तो उसे सोशल मीडिया पर रिकॉर्ड कर लिया गया। जिसके बाद AIMIM नेता वारिश पठान ने इस वीडियो को शेयर कर आरोप लगाया कि नितेश राणे सांप्रदायिक हिंसा फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ उन्होंने अपने पोस्ट में उनके खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की।

नशे में धुत यात्री ने ड्राइवर से झगड़े के बाद पकड़ी स्टीयरिंग!

भीड़ में घुसी बस, 1 की मौत; 8 घायल

दोपहर संवाददाता । मुंबई

लालबाग इलाके से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। किसी बात को लेकर शराब के नशे में धुत एक यात्री का 'BEST' बस ड्राइवर से झगड़ा हो गया। जब बस लालबाग पहुंची तो उसने अचानक स्टीयरिंग पकड़ ली। इससे ड्राइवर के नियंत्रण से बस बाहर हो गई। इसके बाद बस की चपेट में कई मोटरसाइकिल और कार के साथ कुछ पैदल यात्री भी आ गए। अनियंत्रित बस की चपेट में आने से घायल हुई 27 वर्षीय महिला ने एक अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मुंबई पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस ने सोमवार (2 अगस्त) को बताया कि रविवार रात मुंबई के लालबाग में बस दुर्घटना का कारण बने नशे में धुत यात्री ने ड्राइवर से झगड़े के बाद बेस्ट बस का स्टीयरिंग व्हील मोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि 9 घायलों में से एक ने सोमवार सुबह दम तोड़ दिया।

कैसे हुआ हादसा?

बस चालक से विवाद के दौरान एक शराबी व्यक्ति ने बस के 'स्टीयरिंग व्हील' को पकड़ लिया जिसके बाद चालक ने वाहन पर से अपना नियंत्रण खो दिया। इससे बस ने पैदल यात्रियों, कार तथा दो पहिया वाहनों को टक्कर मार दी। इस घटना में 9 लोग घायल हो गए जिनमें से तीन की हालत गंभीर थी। इनमें एक ही शुक्रवार सुबह मौत हो गई।

ताजा रिपोर्ट आरबीआई की ताजा रिपोर्ट में हुआ खुलासा

2000 नोट के 7261 करोड़ अभी भी रखे हुए हैं लोग

मुनीब चौरसिया । मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने सोमवार को 2000 रुपए के नोटों को लेकर ताजा रिपोर्ट जारी की। आरबीआई ने बताया कि कहा कि 2000 रुपए के 97.96 प्रतिशत नोट बैंकों के पास वापस आ गए हैं। लेकिन अब भी 7261 करोड़ रुपए के नोट लोगों के पास हैं। बताते चलें कि भारतीय रिजर्व बैंक ने पिछले साल 19 मई, 2023 को 2000 रुपए के नोट को चलन से वापस लेने का ऐलान किया था। आरबीआई ने बताया कि उस समय चलन में मौजूद 2000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य कारोबार की समाप्ति पर 3.56 लाख करोड़ रुपए था। इस साल 30 अगस्त को कारोबार समाप्ति पर 2000 रुपए के नोटों का कुल मूल्य 7,261 करोड़ है, जो अभी भी लोगों के पास है।

अब सिर्फ आरबीआई के निर्गम कार्यालयों में ही जमा कराए जा सकते हैं नोट

रिजर्व बैंक ने एक बयान में कहा,'19 मई, 2023 तक चलन में 2000 रुपए के 97 .96 प्रतिशत बैंक नोट बैंकों के पास वापस आ गये हैं।' 2000 रुपए के नोट को जमा करने या बदलने की सुविधा 7 अक्टूबर, 2023 तक देश में सभी बैंक शाखाओं में उपलब्ध थी। 2000 रुपए के बैंक नोट को बदलने की सुविधा 19 मई, 2023 से रिजर्व बैंक के 19 कार्यालयों में ही उपलब्ध है। 9 अक्टूबर, 2023 से आरबीआई के कार्यालय भी व्यक्तियों और संस्थाओं से उनके बैंक खातों में जमा करने के लिए 2000 रुपए के बैंक नोट स्वीकार कर रहे हैं।

डाकघर से भी निर्गम कार्यालयों में भेजे जा सकते हैं 2000 रुपए के नोट

इसके अलावा, लोग अपने बैंक खातों में पैसे जमा करने के लिए देश के किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी निर्गम कार्यालय में 2000 रुपए के नोट भेज सकते हैं। बैंक नोटों को जमा/विनिमय करने वाले 19 आरबीआई कार्यालय अहमदाबाद, बेंगलुरु, बेलापुर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, लखनऊ, मुंबई, नागपुर, नई दिल्ली, पटना और तिरुवनंतपुरम में हैं। बताते चलें कि नवंबर, 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1000 रुपए और 500 रुपए के बैंक नोट को चलन से हटाने का ऐलान किया था, जिसके बाद 2000 रुपए के बैंक नोट लाए गए थे।

अमोल कीर्तिकर ने लोकसभा चुनाव में जीत को दी है चुनौती

हाईकोर्ट का वायकर को हलफनामा दायर करने का निर्देश

नितिन तोरस्कर । मुंबई

शिवसेना (यूबीटी) के नेता अमोल कीर्तिकर की याचिका पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने रवींद्र वायकर को हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। दरअसल, कीर्तिकर ने एकनाथ शिंदे नीत शिवसेना के सदस्य वायकर की लोकसभा चुनाव में जीत को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। याचिका में उन्होंने मांग की है कि उन्हें विजेता घोषित किया जाए। उद्धव गुट के उम्मीदवार कीर्तिकर शिंदे गुट के नेता वायकर से 48 वोटों के मामूली अंतर से हार गए थे।

वायकर की जीत को रद्द करे कोर्ट : कीर्तिकर

अमोल कीर्तिकर ने जुलाई में याचिका दायर की थी। उन्होंने मांग की थी कि हाईकोर्ट वायकर की जीत को रद्द कर दे। अधिवक्ता अमित करांडे के माध्यम से दायर याचिका में मतगणना केंद्र पर मुद्दों और निर्धारित मानदंडों का अनुपालन नहीं करने का आरोप लगाया था। कीर्तिकर का कहना है कि मतगणना टेबल पर चुनाव याचिकाकर्ता (कीर्तिकर) के एजेंटों द्वारा दर्ज/नोट किए गए वोटों की तुलना में घोषित वोटों में बड़ी विसंगति थी।

वायकर को समन जारी

इस पर हाईकोर्ट ने वायकर को समन जारी किया। वरिष्ठ वकील अनिल सखारे सोमवार को न्यायमूर्ति संदीप मार्ने की एकल पीठ के समक्ष वायकर की ओर से पेश हुए। इसके बाद हाईकोर्ट ने वायकर को हलफनामा दाखिल करने को कहा।

दो बजे दोपहर
मुंबई आसपास

भिवंडी में भी हो सकती है सिंधुदुर्ग की पुनरावृत्ति

जर्जर हो चुका है शिवाजी महाराज का अश्वारूढ़ पुतला

राज्य सरकार ने 3 वर्ष पूर्व महाराज के नए पुतला निर्माण के लिए दिया था तीन करोड़ का फंड

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी के शिवाजी महाराज चौक परिसर में 38 वर्ष पूर्व निर्माण किया गया अश्वारूढ़ शिवाजी महाराज का पुतला जर्जर हो चुका है।जिसके निर्माण के लिए तीन करोड़ का फंड मुहैय्या करने के बावजूद मनपा नए पुतले के निर्माण को लेकर उदासीन बना हुआ है।जिसके कारण कभी भी सिंधुदुर्ग की घटना की पुनरावृत्ति हो सकती है।मनपा के पूर्व नगरसेवक अरुण राउत ने किसी भी अनहोनी को रोकने के लिए अतिशीघ्र पुतले की मरम्मत की मांग मनपा प्रशासन से की है।

पूर्व नगरसेवक ने की मनपा आयुक्त से अनहोनी को रोकने के लिए शहर में नए पुतले की निर्माण की मांग

भिवंडी मनपा आयुक्त व प्रशासक अजय वैद्य को दिया ज्ञापन में पूर्व नगरसेवक व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण राउत ने बताया है कि स्थानीय शिवाजी चौक पर छह मई 1986 में 38 वर्ष पहले शिवसेना प्रमुख स्व।बालासाहेब ठाकरे के प्रयास से शिवाजी महाराज के अश्वारूढ़ पुतले का निर्माण किया गया था।जो इन दिनो अत्यंत दयनीय खतरनाक स्थिति में है।जिसका स्ट्रक्चरल ऑडिट भी कराया जा चुका है।जिसके अनुसार उक्त प्रतिमा की मरम्मत कराई जानी अतिआवश्यक है।लेकिन पुतला का मरम्मत कार्य का मनपा द्वारा शुरू नही किया जा रहा है।जबकि कई वर्ष पूर्व तत्कालीन सार्वजनिक निर्माण मंत्री व पालकमंत्री एकनाथ शिंदे द्वारा पुतले के निर्माण के लिए तीन करोड़ रुपए का फंड मुहैय्या कराया जा चुका है।उनका कहना है कि पुतले की पुनर्निर्माण को लेकर मनपा प्रशासन उदासीन होकर दुर्घटना के इंतजार में है। सिंधुदुर्ग जैसी घटना भिवंडी में नही होनी चाहिए।यदि कोई हादसा होता है तो न सिर्फ जनभावना आहत होगी,बल्कि इसका जिम्मेदार मनपा प्रशासन होगा।अरुण राउत ने किसी भी अनहोनी हादसे को रोकने के लिए तत्काल पुतले की मरम्मत अथवा नए पुतले की निर्माण की मांग की है।

न बनी कमेटी, न ही लिया गया निर्णय

जिसके बाद मनपा मुख्यालय में पूर्व महापौर प्रतिभा पाटिल व तत्कालीन मनपा आयुक्त विजय कुमार म्हसाल व मनपा अधिकारियों की उपस्थिति में छह जून 2022 को महापौर सभागृह में सर्वदलीय बैठक का आयोजन किया गया था।।इस बैठक में राज्य सरकार द्वारा शिवाजी चौक पर बने छत्रपति शिवाजी महाराज के अश्वारूढ़ पुतले का नया निर्माण किया जाय अथवा पुराने पुतले का मरम्मत किया जाय।लेकिन यह निश्चित नही हो पाया कि शिवाजी महाराज के पुतले का मरम्मत हो अथवा नए पुतले का निर्माण किया जाय।बैठक में नए पुतले के निर्माण व पुराने पुतले के मरम्मत में होने वाले खर्च का आकलन कर इस पर निर्णय लिया जाएगा।साथ ही मनपा अधिकारी व विशेषग्यो को लेकर एक पुतला समिति बनाया जाय।लेकिन वर्षो बीतने के बाद इस मामले में कोई निर्णय नहीं हो सका और जर्जर हालत में उक्त पुतला आज भी उसी स्थित में है।इस संदर्भ में बात करने के लिए कई बार मनपा आयुक्त अजय वैद्य से संपर्क करने की कोशिश की गई,लेकिन उन्होंने कॉल नही उठाया।

हजारों महिलाओं को लोककल्याण स्मार्ट कार्ड का वितरण

दोपहर संवाददाता | ठाणे

सरकारी तमाम योजनाओं को लेकर स्थानीय विधायक संजय केलकर ने महिला विकास परिवार नामक संस्था की ओर से भगवती स्कूल में हजारों महिलाओं को लोककल्याण स्मार्ट कार्ड का वितरण किया गया।लोककल्याण स्मार्ट कार्ड के माध्यम से महिला स्वयं व परिवार के लिए दिये गए दुकानों से खरीददारी पर 15 से 20 प्रतिशत की सहूलियत मिलेगी। स्मार्ट कार्ड के अंदर आने वाले दुकानों में 9 साड़ी, 15 ड्रेस मटेरियल, 12मेन्स वेयर, 3 किड्स वेयर, 9 स्टील व क्रॉकरी, 8 ज्वेलरी, 6 कास्मेटिक इमेटिशन, 3 फुट वेयर, 3 मोबाईल आईटी स्टेशनरी,3पर्स बैग, 3 फर्नीचर, 1 यूनिफॉर्म व 1 मेडिकल स्टोर मिलाकर कुल 80 दुकानों का समावेश है।

100 गरीब लड़कियों को मुफ्त में एनराइड फोन

इस अवसर पर विधायक संजय केलकर ने कहा कि यह सेवा मतदान के लिए नही बल्कि महिलाओं के सुरक्षा, सुविधा सेवा व उनके स्वयं रोजगार के लिए हमारा ध्येय है। महिलाओं के कल्याण को लेकर हमारा साल भर तमाम कार्यक्रम चलता रहता है। ऑनलाइन शिक्षा के लिए मुफ्त क्लाउड एप किया गया है, जिसका लाभ ढाई हजार लड़कियों ने लिया है। 100 गरीब लड़कियों को मुफ्त में एनराइड फोन, डेढ़ हजार लड़कियों को कंप्यूटर कोर्स,महिलाओं के स्वयं रोजगार के लिए दीपावली पर दो सौ से ढाई सौ महिला बचत गट के माध्यम से स्टाल लगवाकर बड़ा लाभ मिलता है। इस अवसर पर महिला विकास परिवार के संयोजक पंढरीनाथ पवार, ठाणे जिला हौसिंग फेडरेशन अध्यक्ष सीताराम राणे,पूर्व उपमहापौर सुभाष काले, परिवहन सदस्य विकास पाटील, व्यापारी आघाडी ठाणे शहर अध्यक्ष मितेश शाह, मृणाल पेंडसे,पूर्व नगरसेविका प्रतिभा मढवी, नम्रता कोली सहित बड़ी संख्या में महिलाओं की उपस्थिति रही।

अंबरनाथ में उद्योग अवसर शिविर का आयोजन

दोपहर संवाददाता | अंबरनाथ

अंबरनाथ में हिंदवी भारत संघ नामक एक सामाजिक संगठन के द्वारा राज्य खादी एवं कपड़ा राजस्व बोर्ड के अध्यक्ष रवींद्र साठे की उपस्थिति में महात्मा गांधी विद्यालय (प) सभागार में उद्योग अवसर शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य खादी एवं वस्त्र बोर्ड के ठाणे जिले के अधिकारियों ने उपस्थित नागरिकों को सरकारी योजनाओं के बारे में मार्गदर्शन किया।

सरकारी योजनाओं के संबंध में मार्गदर्शन

हिंदवी भारत संघ के संचालक सत्यवर्धन बैरागी के द्वारा अंबरनाथ के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों के लिए एक उद्योग मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया।इस आयोजन में नागरिकों को रोजगार कैसे प्रदान किया जाए इस अवसर पर केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित विभिन्न उद्योग एवं व्यवसायिक योजनाओं को लेकर मार्गदर्शन दिया गया। साथ ही राजस्व खादी और कपड़ा उद्योग विभाग के ठाणे जिले के सरकारी अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को मार्गदर्शन किया कि इसके माध्यम से स्वरोजगार के अवसर कैसे पैदा किए जा सकते हैं। कार्यक्रम में राजस्व राज्य खादी एवं वस्त्र निगम के अध्यक्ष रवींद्र साठे ने नागरिकों से सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने यह आशा भी व्यक्त की कि नागरिकों को नौकरी की तलाश करने के बजाय स्वरोजगार पैदा करने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर तेज नारायण बाबा, संजय गुप्ता,रुद्रमणि पांडे, रामचरितमानस मंडल के पदाधिकारियों सहित कई गणमान्य व्यक्तियों सहित अंबरनाथ के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

गर्लफ्रेंड से मिलने पहुंचे प्रेमी की हुई पिटाई

स्नैप चैट कॉल पर हुई थी बात

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी में एक युवक की स्नैप चैट कॉल पर हुई दोस्ती के बाद लड़की से मिलने उसके घर जाना युवक को भारी पड़ गया। लड़की के घर पहुंचते ही लड़के की पिटाई का मामला सामने आया है। पुलिस ने दो युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

मामला दर्ज

पुलिस के अनुसार, इस्लामपुरा निवासी रियान अब्दुल मजीद शेख (22) ने रविवार के रोज भोईवाड़ा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज शिकायत में युवक ने बताया की शनिवार की रात 3:15 बजे उसे एक लड़की ने स्नैप चैट पर कॉल कर अपने घर बुलाया। परंतु जब युवक लड़की से मिलने उसकी बिल्डिंग की टैरिस पर गया और जब दोनो बातें कर रहे थे। तभी वहां लड़की का भाई आया और युवक को गाली गलौज देते हुए उसकी पिटाई शुरू कर दी। इतना ही नहीं लड़की के छोटे भाई ने भी लोखंड के पाईप से युवक को पीटा। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया की दोनो बड़े भाई ने चाकू से उस पर वार किया। जिसके कारण युवक घायल हो गया है। इस प्रकरण में पुलिस ने आरोपी आरिफ और उसके छोटे भाई के खिलाफ गुनाह रजिस्टर नंबर 646/2024 में बीएनएस की धारा 118(2), 118(1), 352, 351, 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

महाराष्ट्र के कोल्हापुर पहुंची राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, देवी महालक्ष्मी के प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना की

दोपहर संवाददाता | कोल्हापुर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कोल्हापुर आने वाली दूसरी राष्ट्रपति बनी। इससे पहले, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन और प्रतिभा पाटिल जिले में आये थे। डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम दो बार जिले में आये, लेकिन, उस समय वह राष्ट्रपति नहीं थे। डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन शिवाजी विश्वविद्यालय के उद्घाटन के लिए कोल्हापुर आये थे। इसके बाद भी वह यूनिवर्सिटी हाई स्कूल के एक कार्यक्रम के लिए यहां आये थे। प्रतिभा पाटिल सांगली में एक साहित्यिक सम्मेलन में जा रही थीं। उनका विमान कोल्हापुर में उतरा था। यहां खाना खाने के बाद वह सांगली के लिए रवाना हो गईं थी। 1992 में उपराष्ट्रपति शंकर दयाल शर्मा एक कार्यक्रम के लिए स्वामी विवेकानन्द कॉलेज आये थे। पूर्व राष्ट्रपति ए। पी। जे अब्दुल कलाम शिवाजी विश्वविद्यालय आये थे। बता दें कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से तीन तीन दिनों के लिए महाराष्ट्र दौरे पर हैं। उन्होंने

सबसे पहले कोल्हापुर शहर में देवी महालक्ष्मी के प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना की। कोल्हापुर में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने राष्ट्रपति मुर्मू का स्वागत किया। जिला अधिकारियों ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने कहा, "राष्ट्रपति मुर्मू ने महालक्ष्मी मंदिर का दौरा किया और देवी का आशीर्वाद लिया।" राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार कोल्हापुर के वारणानगर में श्री वारना महिला सहकारी समूह के स्वर्ण जयंती समारोह में भाग की। इसके अलावा अगले दो दिनों तक वह राज्य के अलग-अलग कार्यक्रमों में भी शामिल होंगी।

14 गांव के मुद्दे को लेकर बीजेपी नेता गणेश नाईक से मिलेंगे विधायक राजू पाटील

दोपहर संवाददाता | डोंबिवली

कल्याण डोंबिवली शहर से सटे 14 गांव का मामला पिछले कई सालों से लंबित था, आख़िरकार इस गांव को नवी मुंबई मनपा में शामिल करने के बाद ग्रामीण खुशी से झूम उठे, हालांकि, बीजेपी के वरिष्ठ नेता गणेश नाइक ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इन गांवों को लेकर कुछ शर्तें सार्वजनिक तौर पर बताईं। इससे 14 गांवों के ग्रामीणों में संभ्रम निर्माण हुआ है, नाइक के रुख के कारण ग्रामीणों ने कल्याण ग्रामीण के मनसे विधायक राजू पाटिल से मुलाकात की। इस मौके पर पाटिल ने ग्रामीणों की गलतफहमी और भ्रम को दूर किया। साथ ही पाटिल ने बताया कि वह जल्द ही नियम और शर्तों को लेकर गणेश नाइक से मिलेंगे और ग्रामीणों की स्थिति उनके सामने रखेंगे। साथही पाटिल ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि 14 गांव के संबंध में गणेश नाइक की स्थिति सकारात्मक थी, लेकिन हमारी स्थिति यह है कि विकास कार्य नहीं रुकना चाहिए।

14 गांवों के ग्रामीण संभ्रमित

राज्य सरकार ने कल्याण ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के 14 गांव को नवी मुंबई मनपा में शामिल करने का निर्णय लिया। इस पर बीजेपी नेता और विधायक गणेश नाइक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सार्वजनिक रूप से कहा है कि इस गांव में बुनियादी ढांचा बनाने में करोड़ों खर्च होंगे और इसका बोझ मनपा पर पड़ेगा। नाइक ने स्पष्ट किया कि इस बात का कोई विरोध नहीं है कि गांव को मनपा में शामिल किया गया है। लेकिन नाईक के इस रुख से 14 गांवों के ग्रामीण संभ्रमित है। सभी ग्रामीणों ने कल्याण ग्रामीण के मनसे विधायक राजू पाटिल से मुलाकात की। इस बार पाटिल ने ग्रामीणों की बात सुनी। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही गणेश नायक से संपर्क कर ग्रामीणों की बात रखेंगे। पाटिल ने कहा कि नाइक ने हमेशा 14 गांव के लिए सहयोग किया है, लेकिन इस भूमिका के कारण गांव के विकास कार्यों में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए, इन गांवों का भी विकास होना चाहिए और इसमें और देरी नहीं होनी चाहिए।

आरिफ नसीम खान का ऑल इंडिया उलमा बोर्ड ने किया सत्कार

दोपहर संवाददाता | मुंबई/भिवंडी

ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड के पदाधिकारियों ने आज वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री आरिफ नसीम खान से मुंबई के कुर्ला ज़रीमर्री स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की और उन्हें कांग्रेस सीडब्ल्यूसी के सदस्य के रूप में चुने जाने पर बधाई दी। उलमा बोर्ड के राष्ट्रीय महासचिव अल्लामा बोनाई हस्नी, अध्यक्ष मौलाना नौशाद अहमद सिद्दीकी और डॉ। अब्दुल कादिर सैयद ने नवनिर्वाचित सदस्य आरिफ नसीम खान का शॉल पहनाते हुए फूलों का गुलदस्ता देकर गर्मजोशी के सत्कार किया।

चौथा स्टेट लेबल कराटे कुमीते टूर्नामेंट स्पर्धा संपन्न

दोपहर संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी नासिक रोड स्थित भाई जान ढाबा पर स्पोर्ट्स मार्शल आर्ट कराटे द्वारा आयोजित चौथा स्टेट लेबल कराटे कुमीते टूर्नामेंट का आयोजन किया गया । बतादें कि टूर्नामेंट के आयोजक ग्रैन्ड मास्टर सैफन पठान द्वारा आयोजित किया गया जिसमें भिवंडी , मुंबई , खडवली , मापोली आदि जगहों से दर्जनों स्कूल के सैकड़ों बच्चों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का परिचय हुये गोल्ड, सिल्वर आदि मेडल जीतने में कामयाबी हासिल किये । इस टूर्नामेंट में होलीमेरी प्रायमरी स्कूल , प्रेसीडेंसी, किड्स एरना , पालवी , माजरीन , अल-नूर , अल हिदाया , मलेट्री स्कूल खडवली , एकरा स्कूल , अंजुमन इस्लाम आदि स्कूल के सैकड़ों बच्चों ने हिस्सा लिया

। इस टूर्नामेंट में होली मेरी व प्रेसीडेंसी स्कूल प्रथम स्थान पर रहे हैं वहीं मलेट्री स्कूल खडवली दूसरे व माजरीन स्कूल तीसरे क्रमांक पर रहे हैं । टूर्नामेंट में आयोजक सैफन के साथ , मास्टर सलीम खान , विनोद सर , मास्टर अख्तर आदि लोगों के अथक प्रयास से सफल हुआ ।

एम.जी.प्रा. की आरक्षित भूमि पर भूमाफियाओं की नजर

दोपहर संवाददाता | उल्हासनगर

उल्हासनगर शहर कैम्प-5 स्थित मुख्य सड़क के पास महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण प्रशासन के आरक्षित भूखंड पर भू-माफियाओं की नजर पड़ चुकी है। इस भूखण्ड को हड़पने के लिए कई बार प्रयास

किया जा चुका है। इस स्थान पर अक्सर लगे रहने वाले मजीप्रा के बोर्ड भी कुछ शरारती तत्वों ने उखाड़ दिए हैं। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज कोर्डे ने मांग की है कि एम।जी।प्रा। प्रशासन कई वर्षों से खाली पड़ी इस जमीन को अपने कब्जे में ले और इस पर भारतीय संविधान जनक डॉ। बाबासाहेब अंबेडकर उद्यान का निर्माण करे।

पूरा मामला समझें

उल्हासनगर - 5 कुर्ला कैंप - शिव मंदिर रोड के किनारे एम।जी।प्रा।प्रशासन का एक आरक्षित भूखंड है। इसी प्रकार शहर में कई आरक्षित और सरकारी भूखंडों पर भू-माफियाओं ने कब्जा कर लिया है और इस भूखंड को स्थानीय भू-माफियाओं द्वारा कई बार हड़पने का प्रयास भी किया गया है। भूखंड के चारों ओर अतिक्रमण किया गया है और इस संबंध में प्रहार जनशक्ति पार्टी, बहुजन मुक्ति पार्टी समेत अन्य संगठनों व सामाजिक संगठनों की ओर से शिकायत दर्ज करायी गयी है। और इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण, ठाणे के कार्यकारी अभियंता तन्मय कांबले ने जगह का निरीक्षण किया और तुरंत एक बोर्ड लगाने का आदेश दिया।यह भूखंड महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के स्वामित्व में है। और यहां एक बोर्ड लगाया गया है और मनोज कोर्डे ने बताया कि पूरे मुक्त आरक्षित भूखंड पर महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण की ओर से एक सुरक्षा दीवार बनाने की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण की ओर से यहां सुरक्षा दीवार बनाई जाएगी, यह अच्छी बात है, लेकिन चूंकि भूमाफियाओं की नजर इस जगह पर है, इस जगह पर फिर से अतिक्रमण करने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। यदि इस भूखण्ड पर गार्डन का निर्माण हो जाता है तो परिसर के लोगो को इसका लाभ मिलेगा और भूमाफिया द्वारा किए जा रहे अतिक्रमण को भी रोका जा सकेगा।

'गणेश उत्सव से पहले सड़कों को गड्ढा मुक्त करें वरना...

विधायक विश्वनाथ भोईर ने शिवसेना स्टाइल में आंदोलन की दी चेतावनी

दोपहर संवाददाता | कल्याण

कल्याण पश्चिम के विधायक विश्वनाथ भोईर ने चेतावनी दी है कि अगर गणेशोत्सव से पहले सड़कें गड्ढा मुक्त नहीं हुईं तो हम केडीएमसी के खिलाफ शिवसेना स्टाइल से आंदोलन करेंगे। साथ ही विधायक भोईर ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा है कि अगर गड्ढों की वजह से कोई दुर्घटना होती है और शहर में कानून व्यवस्था की समस्या होती है तो इसके लिए केडीएमसी कमिश्नर पूरी तरह से जिम्मेदार होंगे। एमएमआरडीए के माध्यम से कल्याण पश्चिम में स्वीकृत निधि से मुख्य सड़कों का कंक्रीटीकरण करने का भूमिपूजन

विधायक विश्वनाथ भोईर ने किया। उस समय मीडिया से बात करते हुए उन्होंने गड्ढों को लेकर केडीएमसी प्रशासन को आड़े हाथों लिया था। गणेशोत्सव में कुछ ही दिन बचे हैं और आज से कल्याण में पूज्य गणेश का आगमन शुरू हो गया है। लेकिन अभी भी केडीएमसी प्रशासन द्वारा गड्ढों को भरने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। कुछ दिन पहले जब बारिश पर एक सप्ताह का ब्रेक लगा तो केडीएमसी को गड्ढों को भरने का काम करना चाहिए था। लेकिन विधायक विश्वनाथ भोईर ने कहा कि शहर में गड्ढों को भरने के लिए केडीएमसी की कोई योजना या तैयारी नहीं है।

अंबरनाथ के प्राचीन शिव मंदिर में मसाने की होली उत्सव

दोपहर संवाददाता उल्हासनगर

अंबरनाथ के प्राचीन शिव मंदिर में शनिवार को काशी विश्वनाथ के प्रसिद्ध मणिकर्णिका घाट पर होने वाली विश्व प्रसिद्ध मसाने को होली का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में बाबा भोलेनाथ के भक्त मौजूद रहे। अंबरनाथ के प्राचीन शिव मंदिर में श्रावण मास के अवसर पर मंदिर के पारंपरिक पुजारी विजय चाहू पाटिल, रवि चाहू पाटिल द्वारा मंदिर परिसर में पहली बार मसाने की होली का आयोजन किया गया। रविवार शाम 7 बजे युवराज विजय पाटिल और रुद्र रवि पाटिल ने इसका शुभारंभ किया।इस प्रकार की होली काशी विश्वनाथ के प्रसिद्ध मणिकर्णिका घाट पर आयोजित की जाती है। यह एक पारंपरिक कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम के लिए काशी विश्वनाथ के भोलेनाथ के भक्त कलाकारों को यहां आमंत्रित किया गया था और उन्होंने अपनी उत्कृष्ट कला से उपस्थित सभी भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार मूर्खतापूर्ण निष्कर्षों से भ्रम बेहतर है : जगदीश 'जग्गी ' वासुदेव

मराठवाड़ा में बाढ़ की स्थिति को गंभीरता से लें महायुति सरकार : नाना पटोले

मुंबई। भारी बारिश से मराठवाड़ा बुरी तरह प्रभावित हुआ है और वहां का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है. सड़कें और पुल बह जाने के कारण मराठवाड़ा के कई गांव देश के अन्य हिस्सों से कट गए हैं। खेतों में खड़ी फसलें बाढ़ के पानी में बह जाने से इस सीजन की खरीफ की फसल भी बर्बाद हो गई है। सैकड़ों जानवर बाढ़ में बह गए हैं। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने मांग की है कि सरकार को आयोजन और विज्ञापन को छोड़कर मराठवाड़ा के बाढ़ प्रभावित लोगों को तत्काल मदद देनी चाहिए।

इस संबंध में बोलते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि पिछले दो दिनों से मराठवाड़ा के नांदेड़, परभणी, हिंगोली, बीड, धाराशिव, लातूर जिलों में भारी बारिश हुई है। हजारों घरों में बारिश का पानी घुसने से लोग सहम गए। कई घर भी ढह गए हैं। मराठवाड़ा बाढ़ से घिरा हुआ है और यहां के लोगों को मदद की सख्त जरूरत है।

राज्य सरकार को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और पीड़ितों को सरकारी सहायता तुरंत पहुँचाने के लिए कदम उठाने चाहिए। एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की यूनिट भेजें। नुकसान का पंचनामा करने का काम किया जाए लेकिन उससे पहले लोगों के लिए आपातकालीन सहायता की घोषणा की जाए। पटोले ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया जाए और उनकी सारी व्यवस्थाएं की जाएं।

मंत्रिमंडल ने मुंबई-इंदौर रेल लाइन को दी मंजूरी

- परियोजना की कुल लागत 18,036 करोड़ रुपए, 2028-29 तक होगी पूरी
- महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के उन जिलों को जोड़ेगी जो अब तक रेल मार्ग से नहीं जुड़े थे

मुंबई/नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (CCEA) ने रेल मंत्रालय के तहत 18,036 करोड़ रुपये (लगभग) की कुल लागत वाली नई रेलवे लाइन परियोजना को मंजूरी दे दी है। इंदौर और मनमाड के बीच प्रस्तावित नई लाइन सीधा संपर्क प्रदान करेगी और गतिशीलता में सुधार करेगी। इससे भारतीय रेलवे के लिए बेहतर दक्षता और सेवा विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी। यह परियोजना पीएम मोदी की नए भारत की कल्पना के अनुरूप है जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से लोगों को 'आत्मनिर्भर' बनाएगी। इससे लोगों के लिए रोजगार/स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह परियोजना मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का नतीजा है, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है और लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क प्रदान करेगा।

महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी परियोजना

यह परियोजना 2 राज्यों महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश के 6 जिलों को कवर करेगी। इससे भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 309 किलोमीटर की बढ़ोतरी होगी। इस परियोजना के साथ 30 नए स्टेशन बनाए जाएंगे। इससे आकांक्षी जिले बड़वानी को बेहतर सम्पर्क मिलेगा। नई रेलवे लाइन परियोजना से लगभग 1,000 गांवों और लगभग 30 लाख आबादी को सम्पर्क मिलेगा। परियोजना देश के पश्चिमी/दक्षिण-पश्चिमी हिस्से को मध्य भारत से जोड़ने वाला छोटा रास्ता उपलब्ध कराकर क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देगी। इससे श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग मंदिर सहित उज्जैन-इंदौर क्षेत्र के विभिन्न पर्यटन/धार्मिक स्थलों पर पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी।

नई रेल लाइन परियोजना से और कई फायदे

परियोजना से पीथमपुर ऑटो क्लस्टर (90 बड़ी इकाइयां और 700 छोटे और मध्यम उद्योग) को जेएनपीए के गेटवे पोर्ट और अन्य राज्य बंदरगाहों से सीधा सम्पर्क मिलेगा। परियोजना मध्य प्रदेश के बाजरा उत्पादक जिलों और महाराष्ट्र के प्याज उत्पादक जिलों को भी सीधा सम्पर्क प्रदान करेगी। इससे देश के उत्तरी और दक्षिणी हिस्सों में इसके वितरण में सुविधा होगी। कृषि उत्पादों, उर्वरक, कंटेनर, लौह अयस्क, इस्पात, सीमेंट, पीओएल आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए यह एक आवश्यक मार्ग है। क्षमता वृद्धि कार्य के चलते लगभग 26 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) की अतिरिक्त माल ढुलाई होगी। रेलवे पर्यावरण अनुकूल और ऊर्जा कुशल परिवहन का साधन है, जो जलवायु लक्ष्यों को प्राप्त करने और देश की रसद लागत को कम करने, तेल आयात (18 करोड़ लीटर) को कम करने और कार्बनडाइक्साइड उत्सर्जन (138 करोड़ किलोग्राम) को कम करने में मदद करेगा जो 5.5 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

चलती ट्रेन पर शख्स का पैर फिसलने से प्लेटफॉर्म और गाड़ी के बीच फंसा

- मुंबई पुलिस के जवान ने बचाया

मुंबई। गोरेगांव रेलवे स्टेशन पर मुंबई पुलिस के एक जवान ने अपने सूझबूझ से ट्रेन की चपेट में आने से पहले शख्स की जान बचा ली। जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर मुंबई पुलिस ने शेयर किया है।

चलती ट्रेन से उतरते और चढ़ते समय अक्सर हादसे हो जाते हैं। इन हादसों में कभी-कभी लोगों की जान भी चली जाती है। लेकिन कुछ लोगों की किस्मत बहुत अच्छी होती है जो उनकी जान बचाने के लिए कोई फरिश्ता आ पहुंचता है। ऐसी ही एक घटना मुंबई के गोरेगांव रेलवे स्टेशन से सामने आई। जहां एक व्यक्ति चलती ट्रेन से उतरने की कोशिश में दुर्घटना का शिकार हो गया। लेकिन उसकी किस्मत अच्छी थी जो वहां मुंबई पुलिस के एक ऑफ-ड्यूटी अधिकारी खड़े थे और जैसे ही उन्होंने शख्स को ट्रेन से गिरते देखा। उन्होंने तुरंत शख्स का हाथ पकड़ लिया और उसे खींचकर ट्रेन से दूर किया।

ट्रेन के नीचे आने से शख्स को पुलिसकर्मी ने बचाया

इस बहादुर पुलिसवाले का नाम बालासो धागे है और वे मुंबई पुलिस में कांस्टेबल पद पर तैनात हैं। यह घटना तब हुई जब एक व्यक्ति चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उसका पैर फिसल गया और वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच की संकरी खाई में गिर गया। गिरने के बाद शख्स का पैर ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया। वो तो गनीमत रही कि कॉन्सटेबल धागे अपनी शिफ्ट से घर लौट रहे थे और वह प्लेटफॉर्म पर ही खड़े थे। उन्होंने जब शख्स को मुसीबत में देखा तो तुरंत उसका हाथ पकड़कर उसे खींचा और ट्रेन से दूर किया। पुलिसकर्मी की इस बहादुरी से एक बहुत बड़ी दुर्घटना होने से टल गई।

मुंबई पुलिस ने शेयर किया यह वीडियो

इस घटना का वीडियो मुंबई पुलिस ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, ₹घर वापस आते समय पीसी बालासो धागे ने गोरेगांव रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच फंसे एक व्यक्ति को देखा। स्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया करते हुए पीसी धागे ने एक अनहोनी को टाला और उसकी जान बचाई।₹ 30 अगस्त को पोस्ट किए गए इस वीडियो को खबर लिखे जाने तक 1 मिलियन से अधिक बार देखा जा चुका है।

पुलिसकर्मी की बहादुरी को लोगों ने किया सलाम

पोस्ट पर बहादुर पुलिसकर्मी की सराहना करते हुए लोगों के कमेंट की तो बाढ़ आ गई है। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा – ₹इस नेक काम के लिए आपको सलाम। अपनी जान जोखिम में डालकर एक व्यक्ति की जान बचाने के इस महान काम के लिए आपका धन्यवाद। आशा है कि महाराष्ट्र सरकार इस काम का उचित सम्मान करेगी।₹ दूसरे ने लिखा, ₹एक पुलिस अधिकारी ड्यूटी पर हो या ना हो, वह अपना कर्तव्य जानता है, वह सभी लोगों की रक्षा करना जानता है।" पीसी धागे ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी : "मेरे वीडियो इंस्टा पेज पर अपलोड करने और सराहना करने के लिए सीपी (पुलिस आयुक्त) सर का धन्यवाद।"पीसी बालासो धागे के इस साहसी कार्य ने पूरे इंटरनेट पर लोगों का दिल जीत लिया। उनके इस वीरतापूर्ण कार्य ने वास्तव में सार्वजनिक सेवा की सच्ची भावना को प्रदर्शित किया है।

हत्या के प्रयास और डकैती मामले में समझौते पर पुलिस को फटकार

दोपहर संवाददाता । मुंबई

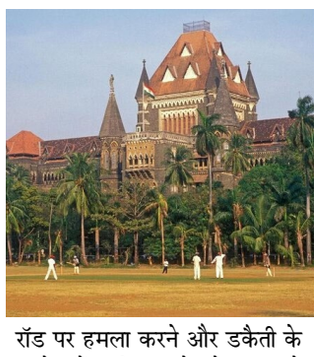

ठाणे के बदलापुर में हत्या के प्रयास और डकैती के मामले में पुलिस की सुस्त कार्रवाई और समझौता करने पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने हैरानी जताई। साथ ही पुलिस को फटकार लगाई और कहा कि यह आपराधिक न्याय प्रणाली का मजाक है। न्यायाधीश एएस गडकरी और नीला गोखले ने कहा कि हत्या का प्रयास और डकैती गंभीर अपराध हैं। इनकी उचित तरीके से जांच की जानी चाहिए थी। हाईकोर्ट की पीठ दो व्यक्तियों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की। इसमें एक युवक और उसकी मां के खिलाफ तलवार और लोहे की रॉड पर हमला करने और डकैती के आरोप में दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग की गई थी। मामले में पुलिस ने अदालत को बताया कि आरोपियों ने उनको मामले में समझौता करने के लिए पत्र दिया था, इसलिए जांच रोक दी गई।

जांच बेहद निराशाजनक और सुस्त तरीके से की गई

पुलिस के इस बयान पर कोर्ट ने आश्चर्य जताते हुए कहा कि मामला हत्या के प्रयास और डकैती का था। यह आरोपियों के खिलाफ कथित अपराध गंभीर प्रकृति का है। यह कानून की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 397 (डकैती) के तहत बड़े पैमाने पर समाज के खिलाफ अपराध है। कोर्ट ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच समझौता होने के बावजूद जांच अधिकारी को जांच पूरी करनी चाहिए थी। पीठ ने यह भी कहा कि मामले में हत्या के प्रयास अपराध की जांच बेहद निराशाजनक और सुस्त तरीके से की गई। इससे साफ है जांच अधिकारी ने आपराधिक न्याय प्रणाली का मजाक उड़ाया। पुलिस को गंभीर अपराधों की जांच करनी चाहिए। क्योंकि पुलिस अपराध और उसके बाद दोनों पक्षों में समझौता हो जाने के बाद मूकदर्शक नहीं बन सकती। कोर्ट ने कहा कि जिस तरह मामले की जांच की गई उससे पुलिस की ईमानदारी पर संदेह होता है।

ऐसा लगता है कि जांच अधिकारी मामले की जांच से बचते रहे और आरोपियों के दबाव में काम कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि मामले को ठाणे पुलिस आयुक्त के संज्ञान में लाकर विस्तृत हलफनामा दायर करना चाहिए। कोर्ट ने पुलिस आयुक्त को अगली सुनवाई में हलफनामा दायर करने के निर्देश दिए। मामले की अगली सुनवाई 13 सितंबर को होगी।

फोटोग्राफर पर दर्ज हुआ मामला

गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान बिना अनुमति के उड़ाया ड्रोन

मुंबई। मध्य मुंबई के परेल में 'उमरखाडीचा राजा' गणेश प्रतिमा के आगमन जुलूस के दौरान बिना अनुमति के ड्रोन उड़ाने के आरोप में एक पेशेवर फोटोग्राफर को हिरासत में लिया गया और उसके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ड्रोन रविवार को शाम करीब साढ़े चार बजे डॉ. बाबासाहेब आम्बेडकर रोड पर उड़ाया गया, जहां से जुलूस गुजर रहा था।

15 फीट की ऊंचाई पर उड़ाया ड्रोन

अधिकारी ने बताया, ₹करीब 15 फीट की ऊंचाई पर उड़ रहे ड्रोन को जुलूस स्थल पर ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों ने देखा। एहतियात के तौर पर एक से 29 सितंबर तक ड्रोन, पैराग्लाइडर, रिमोट से संचालित माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट और गुब्बारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने वाले निषेधाज्ञा के बावजूद इसे संचालित किया जा रहा था।₹ अधिकारी ने बताया कि भोईवाड़ा पुलिस थाने की एक टीम ने 22 वर्षीय पेशेवर फोटोग्राफर को हिरासत में ले लिया। वह फुटपाथ से इसे संचालित कर रहा था। भोईवाड़ा पुलिस थाने के अधिकारी ने कहा, ₹उसने कहा कि वह पड़ोसी ठाणे जिले के कलवा से आया था और उसने स्वीकार किया कि उसके पास ड्रोन संचालित करने की कोई अनुमति नहीं थी।

महाराष्ट्र में वीआईपी नंबर लेना हुआ महंगा

गाड़ी का 001 नंबर चाहिए तो देने होंगे 6 लाख

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में वीआईपी नंबरों के शौकीन लोगों को महाराष्ट्र सरकार ने बड़ा झटका दिया है। सरकार ने वाहनों के लिए 'वीआईपी' नंबरों की फीस बढ़ा दी है। मुंबई और पुणे जैसे शहरों में सबसे ज्यादा डिमांड वाला नंबर '0001' अब 6 लाख रुपये में मिलेगा। नई फीस के मुताबिक, मुंबई और पुणे जैसे बड़े शहरों में 'आउट-ऑफ-सीरीज' वीआईपी नंबर की कीमत 18 लाख रुपये तक होगी, जो कई मिड-सेगमेंट कारों की कीमत के बराबर है। 30 अगस्त को जारी परिवहन विभाग की अधिसूचना के अनुसार, चार पहिया वाहनों के लिए प्रतिष्ठित नंबर '0001' की कीमत मौजूदा 3 लाख रुपये से बढ़कर 5 लाख रुपये हो जाएगी। दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए 50,000 रुपये की जगह अब 1 लाख रुपये चुकाने पड़ेंगे। मुंबई, मुंबई उपनगरीय, पुणे, ठाणे, रायगढ़, औरंगाबाद, नासिक, कोल्हापुर और नासिक जैसे उच्च मांग वाले क्षेत्रों मं, चार या अधिक पहियों वाले वाहनों के लिए '0001' के लिए वीआईपी शुल्क 4 लाख रुपये से बढ़कर 6 लाख रुपये हो जाएगा।

इन नंबरों के लिए चुकाने होंगे इतने रुपए

अन्य मांग वाले नंबरों के लिए भी फीस बढ़ा दी गई है। 16 लोकप्रिय नंबरों के लिए, चार पहिया वाहनों के लिए नया शुल्क मौजूदा 70,000 रुपये के बजाय 1 लाख रुपये और दोपहिया वाहनों के लिए 15,000 रुपये से 25,000 रुपये है। 49 अतिरिक्त नंबरों के लिए, चार पहिया वाहनों के लिए शुल्क को मौजूदा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 70,000 रुपये और दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए 15,000 रुपये कर दिया गया है। 189 पंजीकरण नंबरों के एक और समूह के लिए, जैसे 0011, 0022, 0088, 0200, 0202, 4242, 5656 और 7374, चार पहिया वाहनों के लिए संशोधित शुल्क 25,000 रुपये और दोपहिया वाहनों और दो से अधिक पहियों वाले वाहनों के लिए 6,000 रुपये हैं।

मिड-सेगमेंट कारों की कीमत के बराबर नंबर का रेट

कई उच्च नेटवर्थ वाले व्यक्ति, शीर्ष व्यवसायी, राजनेता और मशहूर हस्तियां अपनी महंगी कारों के लिए वीआईपी नंबर पसंद करते हैं। अधिसूचना में कहा गया है कि संशोधित 'तीन गुना मूल शुल्क' चार पहिया और अधिक पहियों वाले वाहनों के लिए 15 लाख रुपये और दोपहिया और तिपहिया वाहनों के लिए 3 लाख रुपये होगा। नई फीस का मतलब है कि मुंबई और पुणे सहित प्रमुख शहरों में 'आउट-ऑफ-सीरीज' वीआईपी नंबर की कीमत 18 लाख रुपये तक होगी। ये कई मिड-सेगमेंट कारों की कीमत के बराबर है।

नवनीत राणा की लगेगी लॉटरी

मिलेगा राज्यसभा का टिकट!

चंद्रशेखर बावनकुले ने दिए संकेत

मुंबई। अमरावती की पूर्व सांसद नवनीत राणा को बीजेपी और खासकर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रति दिखाई गई निष्ठा का एक बार फिर से बड़ा इनाम मिलने वाला है। नवनीत एक बार फिर से सांसद बन सकती हैं। बीजेपी उन्हें राज्य सभा में भेज सकती है। ऐसे संकेत बीजेपी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने दिए हैं। नवनीत राणा 2019 के लोकसभा चुनाव में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के समर्थन से अमरावती से सांसद चुनी गईं थीं। उस समय उन्होंने निर्दलीय चुनाव लड़ा और शिवसेना नेता आनंदराव अडसुल को हराया था। महाविकास आघाड़ी सरकार के शासनकाल में नवनीत राणा ने तत्कालिन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को हिंदुत्व के मुद्दे पर ललकारा था। नवनीत ने उद्धव के निवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पाठ का कार्यक्रम रखा था, जिसका उद्धव समर्थकों ने तीव्र विरोध किया था। इसके अलावा नवनीत के खिलाफ तब एफआईआर भी दर्ज हुई थी।

बीजेपी ने नवनीत को अमरावती से पार्टी का उम्मीदवार बनाया था। हालांकि उनकी उम्मीदवारी का विरोध महायुति में शामिल शिवसेना (शिंदे गुट) के नेता व पूर्व सांसद आनंदराव अडसूल एवं प्रहार जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष बच्चू कडू ने किया था। कडू ने नवनीत के खिलाफ अपना उम्मीदवार खड़ा किया तो वहीं अडसूल से उन्हें पूरा समर्थन नहीं मिला। इस वजह से नवनीत हार गई थी। कांग्रेस उम्मीदवार बलवंत वानखेड़े जीत गए।

तैयारी में जुटी नवनीत

राणा दंपति की ओर से हर साल अमरावती में आयोजित किए गए दही हांडी कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले शामिल हुए थे। इस मौके पर बावनकुले ने कहा कि अमरावती में थोड़ी दुर्घटना हुई थी। कुछ बूथों पर 5 वोट कम मिले। यदि हर बूथ पर 5 वोट मिल होते तो नवनीत सांसद बन गई होती।

उन्होंने आगे कहा कि मैं जानता हूं कि नवनीत, बीजेपी और महायुति की सांसद बने बिना नहीं रहेंगी। उनका सांसद बनना तय है। इसकी चिंता मत कीजिए। बावनकुले के इस बयान को आगामी राज्यसभा चुनाव से जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों का ऐसा है कि नवनीत ने राज्यसभा जाने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

MISSING

NAME : Raymond Braz Rodrigues
AGE : 67

RESIDENCE ADDRESS

Jamna Bldg, Opp St. Xaviers School , Dhobitalao, Mumbai

LAST GONE MISSING: from gate of St. STEPHEN'S Church , Warden Road, Mumbai on Wednesday 21st August 2024 around 7pm

Please contact his wife Felcy on
+91 9833071272

संपादकीय

आत्मघात की त्रासदी

यह किसी राष्ट्र के लिये शर्मसार करने वाली स्थिति है कि उसके युवा बड़ी संख्या में आत्महत्या में मुक्ति की राह तलाश रहे हैं। हाल के दिनों में छात्रों की बढ़ती आत्महत्याएं विचलित करने वाली हैं। सबसे दुखद यह है कि छात्रों की आत्महत्या की संख्या किसानों की आत्महत्या से ज्यादा हो गई है। हालांकि, आत्महत्या के मामले में किसी भी वर्ग से तुलना नहीं की जा सकती है, लेकिन सुनहरे भविष्य के सपने देखने वाली संभावना का असमय अंत पीड़ादायक है। ऐसे में देश के नीति-नियंताओं को इस भयावह संकट का तात्कालिक समाधान तलाशना चाहिए। हाल ही में आईसी-3 संस्थान की रिपोर्ट इस भयावह संकट पर प्रकाश डालती है। रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2021 के दशक में देश के 13,089 छात्रों ने आत्महत्या की। जो कि पिछले दशक की तुलना में 57 फीसदी अधिक है। जो निश्चय ही बड़ी चिंता का विषय है। दरअसल, लगातार बढ़ते शैक्षणिक दबाव, जबरन कैरियर विकल्प देने, मानसिक स्वास्थ्य संघर्ष और वित्तीय बोझ युवाओं को निराशा के गर्त में धकेल रहा है। आईआईटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के आंकड़ों से स्थिति की गंभीरता पता चलता है। जहां वर्ष 2019 और 2023 के बीच 69 छात्रों ने अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। पिछले वर्षों में कोटा के कोचिंग संस्थानों में युवा छात्रों के जीवन समाप्त करने का ग्राफ बढ़ा है। इन बेहद कष्टकारी आंकड़ों पर मंथन करके नीति-नियंताओं को युवा मन की आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरने का प्रयास करना चाहिए। निस्संदेह, यह एक हकीकत है कि देश में युवाओं को योग्यता अनुसार रोजगार के अवसर मिलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन घोषणावीर नेतृत्व इस हकीकत को गंभीरता से नहीं ले रहा है। नौकरी के अभाव में हताशा में जीने वाला युवा एक दमघोंटू माहौल में जी रहा है। सीमित संख्या में घोषित होने वाली नौकरियों के लिए लाखों बेरोजगारों के आवेदन संकट का चित्र उकेरते हैं। सरकारों को वास्तविक रोजगार अभियान चलाकर युवाओं का मनोबल बढ़ाना चाहिए। घटते रोजगार के अवसर युवाओं में हताशा पैदा कर रहे हैं। जिसके कालांतर आत्मघाती परिणाम सामने आते हैं। निस्संदेह, परिवार के लोगों की भी बच्चों के कैरियर में मार्गदर्शन की बड़ी भूमिका होती है। अभिभावकों को चाहिए कि कैरियर के मामले में वे अपनी इच्छाओं को थोपने के बजाय बच्चों की रुचि के अनुरूप रोजगार के विकल्प तलाशने में उनकी मदद करें। अपनी मनपसंद के व्यवसाय में युवा अच्छी सफलता पाते हैं और पूरे मनोयोग से अपने लक्ष्य विपरीत परिस्थितियों में भी हासिल कर सकते हैं। वहीं दूसरी ओर स्कूल-कॉलेजों में ऐसे रोजगारपरक कार्यक्रम चलाए जाने चाहिए, जिससे कमजोर छात्रों को बेहतर करने का अवसर मिल सके। इस कार्य में शिक्षक अकादमिक मार्गदर्शन के साथ ही उन्हें सशक्त भावनात्मक संबल भी प्रदान कर सकते हैं। लेकिन सबसे व्यावहारिक समाधान रोजगार के अवसरों में वृद्धि करने का है। जिससे छात्र कोई आत्मघाती कदम उठाने से बच सकें। हमें उनके उज्ज्वल भविष्य के अनुरूप वातावरण तैयार करने की पहल युद्धस्तर पर करनी चाहिए। युवाओं का आत्मघात की राह पर बढ़ना बेहद त्रासदी की बात है।

भारत-पाकिस्तान के बीच बदलती फिज़ा के संकेत

ज्योति मल्होत्रा

क्या प्रधानमंत्री मोदी के लिए समय आ गया है कि वे अपनी झिझक छोड़कर कहें : 'हां, मैं पाकिस्तान जाऊंगा'? जिन लोगों को ज्यादा खबरों का पता न होगा, उनके लिए बता दें कि पिछले 48 घंटों में बहुत कुछ घटा है। पंजाब में सिकुड़ते जा रहे शिरोमणि अकाली दल का फायदा आम आदमी पार्टी को अपना आधार मजबूत करने में हो रहा है– खासतौर पर जब अकाली विधायक अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा में शामिल होने से कतरा रहे हैं– पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, जिनका परिवार अमृतसर से है, उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर अक्तूबर में इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उसे ऐसा निमंत्रण मिला है, लेकिन इसको लेकर इरादा क्या है, यह नहीं बताया। यह भी सच है कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने इस उम्मीद में यह खबर जारी की होगी कि इससे भारत के अंदर कुछ सार्वजनिक दबाव बनेगा –अपने दिल में दर्द पाले उन उदारवादियों का, जिनकी आजीविका 'संपर्क करने और छूने' की मानवीय भावना को उभार देने पर टिकी है, फिर अटारी-वाघा बॉर्डर पर 'मोमबत्ती जलाने वाली टोली' सदा इस रूप में भरोसेमंद रही है कि वह बातचीत के लिए दबाव बनाए।

हर चीज़ को नकारने वाले लोगों की उबाऊ भविष्यवाणी भी उतनी ही सटीक है। उनके लिए : मोदी इस्लामाबाद नहीं जाएंगे, न ही जा सकते हैं और जाना भी नहीं चाहिए,क्योंकि पाकिस्तान दुश्मन है, सो भरोसे लायक नहीं है। अगर आप भी ऐसे लोगों में एक हैं, तो फौरन अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर अगली बस पकड़कर गुरदासपुर पहुंचें, ताकि आपको अपनी दुश्मनी को और पुख्ता करने का मौका मिले। जहां पर भारत-पाकिस्तान सीमा के कुछ किलोमीटर अंदर, जीरो लाइन से गज भर की दूरी पर ड्रोन उतरते हैं, यह तब आप जानेंगे कि कैसे हेक्साकॉप्टरों (ड्रोन) द्वारा शुद्धतम समझी रणनीति है। तो, प्रधानमंत्री मोदी को क्या करना चाहिए? उन्हें पाकिस्तान जाना चाहिए या नहीं? सनद रहे पूरे 10 साल पहले,मोदी ने दिल्ली में अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था और शरीफ आए भी – अपने शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान की सलाह के विरुद्ध। जब शरीफ दिल्ली से वापस घर लौटे, तो कहा जाने लगा कि वे और उनका पद मुश्किल में है, क्योंकि उन्होंने उस व्यक्ति से हाथ मिलाना चुना जो 2002 के दंगों के वक्त गुजरात का मुख्यमंत्री था, जिसमें एक हजार से अधिक मुसलमान मारे गए थे। लेकिन शरीफ ने इसकी व्याख्या इस तरह से की : 'मोदी दक्षिण एशिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री थे, पाकिस्तान भारत का पड़ोसी है और दोनों ने विगत में उतार-चढ़ाव देखे हैं–ऐसे में शांति का हाथ बढ़ाना उनका कर्तव्य था'। परंतु शांति की यह बयार ज्यादा देर तक नहीं चली। 2 जनवरी, 2016 को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पठानकोट के वायुसेना अड्डे पर हमला किया। जल्द ही,मोदी ने घोषणा की कि सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त होने तक वे पाकिस्तान के साथ तमाम बातचीत बंद कर रहे हैं। वार्ता प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई। लेकिन सच यह है कि आठ साल बाद भी सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त नहीं हुआ है। इस साल ग्रीष्म ऋतु शुरू होने के साथ जम्मू में घटी आतंकी घटनाएं संकेत देती हैं कि कोई तो है जो पर्दे के पीछे से पूरे तमाशे को चला रहा है। 'उसकी टूटी (नल का हैंडल) मेरे हाथ में है'–ये शब्द थे एक वरिष्ठ पाकिस्तानी जनरल के, जब 1999 की गर्मियों में, कारगिल युद्ध के चरम पर, उसने अपने सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को सीमा पारीय आतंकवाद पर पाकिस्तान के नियंत्रण के बारे में कुछ इस तरह समझाया था। इस बातचीत को भारतीय खुफिया विभाग ने रिकॉर्ड किया, लिपिबद्ध किया और तत्कालीन पाकिस्तानी विदेश मंत्री सरताज अजीज को दिखाया, जब वे बीजिंग जाते समय दिल्ली में रुके थे। पहले तो अज़ीज़ वह बचाने का प्रयास करते रहे जिसका बचाव हो नहीं सकता था यानि कारगिल में पाकिस्तानी आक्रमण, लेकिन जब टेप सुनाकर पूछा गया तो इसके बाद उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं था। इस तथ्य के अलावा कि अपने दुश्मन के साथ आपकी ईमानदार और आमने-सामने की बातचीत से ही वास्तविक शांति बन पाएगी, कल्पना कीजिए कि यदि मोदी पाकिस्तान चले जाएं, तो उनकी लोकप्रियता में कितनी वृद्धि होगी।

आप लोगों को भी आत्म साक्षात्कार पाने से पहले या आत्मसाक्षात्कार के बाद कई बार सुगंध लेनी चाहिए। चेतना सुगंध देती है। चैतन्य बहुत सुगंध देता है और आनंद देने वाला है।

सहज योग

आत्मज्ञानी के साथ देवता होते हैं

आत्मज्ञानी लोगों को एक और बात जाननी चाहिए। यह भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु है, जिसे जानने से एक प्रकार की आत्मनिर्भरता आ सकती है कि देवता प्रत्येक आत्मज्ञानी के ऊपर मंडरा रहे हैं। वे कहते हैं कि दुष्ट व्यक्ति के ऊपर भूत मंडराते हैं, उसी प्रकार देवता भी उन लोगों की मदद करने के लिए उत्सुक रहते हैं जो आत्मसाक्षात्कारी होते हैं। उन्हें सुगंध मिल जाती है और वे ठीक उन्हीं के आसपास मंडराने लगते हैं। आप में से कुछ लोगों ने तो बताया ही होगा, ये महिला कह रही थी कि इसके जीजा पर भूत-बाधा है. और करीब साढ़े तीन बजे उनकी हालत बिगड़ गई. और वह चिल्लाने लगा. और फिर उसके बाद उन्होंने कहा कि इतनी बुरी बदबू आ रही थी कि उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि क्या करें. फिर उन्होंने मेरा नाम लेना शुरू कर दिया और कंपन देना शुरू कर दिया और जैसे ही वह ठंडा हुआ तो एक सुगंध आने लगी और वह ठीक हो गया। आप लोगों को भी आत्मसाक्षात्कार पाने से पहले या आत्मसाक्षात्कार के बाद कई बार सुगंध लेनी चाहिए। तो चेतना सुगंध देती है। चैतन्य बहुत सुगंध देता है। और आनंद देने वाला है. तो इससे आपको खुशबू मिलती है. ऐसा बहुत कुछ है जो सुगंधहीन है, लेकिन अगर आप अपनी ध्यान की स्थिति को ठीक रखते हैं यानी खुद को स्थिर रखते हैं तो वह अपने आप गिर सकता है। इसमें बुरा मानने वाली कोई बात नहीं है. आपने देखा है कि हम अद्वितीय हैं. हम आम आदमी से ऊंचे हैं. अमुक-अमुक (अनिश्चित। नाम ये हो सकते हैं: चंदू भाई, देवड़े, लाल साहब- सं.) बहुत महान हैं। कई तो बहुत ऊपर चले गए हैं. अगर आप उनका नाम लेंगे तो मुझे लगता है कि अधिकतर सभी आगे बढ़ चुके हैं। और फिर भी सभी थोड़ा पकड़ लेते हैं। सभी थोड़ा-थोड़ा पकड़ते हैं। एक शख्स तो बुरी तरह फंस गया था. कुछ दिन पहले वह बुरी तरह फंस गया था. अगर वह पकड़ा गया तो ठीक है। कोई फर्क नहीं पड़ता। कम से कम वे तो समझते हैं कि वे फँसे हुए हैं और इसीलिए ऐसा हुआ है, कि उन्होंने समझा कि वे फँसे हुए हैं। इसे हटाना बहुत आसान है. एक आत्मज्ञानी व्यक्ति के लिए यह बहुत आसान है। इसे किसी भी तरह से हटाया जाना चाहिए. इसे कैसे दूर करना है, इसके बारे में क्या करना है, ये वे तरीके हैं जो ये लोग जानते हैं। और अलग-अलग तरीकों से खुद पर प्रयोग करें। जैसे समुद्र के पास खड़े होकर इसे दूर किया जा सकता है. पहले बहुत से आत्मज्ञानी लोग पानी में जाकर बैठ जाते थे। ये सच है। वे इतने परेशान हो जाते थे कि उनकी उंगलियां जलने लगती थीं. एक गगन बाबा महाराज हैं जो पानी में बैठते थे। उसकी उँगलियाँ जलकर छोटी हो गई थीं। उसे उपचारात्मक शक्तियाँ तो प्राप्त हो गई थीं परंतु वह यह नहीं समझ पा रहा था कि उसकी अंगुलियाँ जलकर छोटी क्यों हो गई हैं।

प्रस्तुति : धीरज सिंह

शख्सियत

साक्षी मलिक

फ्रीस्टाइल अंतरराष्ट्रीय पहलवान

साक्षी मलिक एक भारतीय फ्रीस्टाइल पहलवान हैं। 2010 में जूनियर विश्व चैंपियनशिप में, मलिक ने अंतरराष्ट्रीय रिंग में अपनी पहली प्रोफेशनल जीत हासिल की, जब उन्होंने 58 किलोग्राम फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में कांस्य पदक अर्जित किया। उन्होंने 2014 डेव शुल्त्स इंटरनेशनल टूर्नामेंट के 60 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।

साक्षी मलिक का जन्म 3 सितंबर 1992 को हरियाणा के रोहतक जिले के मोखरा गांव में हुआ था। अपने दादा सुबीर मलिक जो कि एक पहलवान थे, को देखने के बाद साक्षी मलिक को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित होने में ज्यादा समय नहीं लगा, जिसने आगे चलकर उनके करियर को परिभाषित किया।

जब वह महज 12 साल की थीं, तब उन्होंने ईश्वर दहिया के साथ वर्कआउट करना शुरू कर दिया था। उन्होंने पांच साल बाद 2009 एशियाई जूनियर विश्व चैंपियनशिप में 59 किग्रा फ्रीस्टाइल में अपना पहला पदक जीता, एक रजत पदक। अगले वर्ष 2010 में विश्व जूनियर चैंपियनशिप में उन्होंने कांस्य पदक जीता। 2013 में फेडरेशन टाइटल्स में कांस्य जीतने के बाद, साक्षी मलिक ने अगले वर्ष ग्लासगो में अपने सबसे यादगार क्षेत्रीय खेलों में भाग लिया। वह 58 किग्रा के फाइनल में नाइजीरिया की अमीनत अडेनियि से हार गईं और रजत पदक अपने नाम किया। उनका दूसरा और अंतिम राष्ट्रमंडल खेलों का पदक 2018 में 62 किलोग्राम वर्ग में आया, जब उन्होंने कांस्य पदक जीता। साक्षी मलिक ने 2015 में दोहा में सीनियर एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता, जहां उन्होंने प्रतिस्पर्धा की। उन्होंने मई 2016 में ओलंपिक विश्व क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में चीन की झांग लैन को हराकर रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। अगस्त 2016 में, साक्षी मलिक ने 58 किलोग्राम भार वर्ग में रियो ओलंपिक में कजाकिस्तान की ऐसुलु टाइनीबेकोवा को हराकर कांस्य पदक अर्जित किया। उन्होंने 2022 में ट्यूनिस, ट्यूनीशिया में आयोजित ट्यूनिस रैंकिंग सीरीज़ प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार 2016 में साक्षी मलिक को प्रदान किया गया था।

उन्हें 2017 में पद्म श्री प्राप्त हुआ था। कुश्ती के खेल में कई पदक जीतने के तुरंत बाद, हरियाणा सरकार ने उनके नाम पर 500 गज जमीन दे दी।

जीवन ऊर्जा

जगदीश 'जग्गी' वासुदेव : जन्म 3 सितंबर, 1957

जन्म

मूर्खतापूर्ण निष्कर्षों से भ्रम बेहतर है

जगदीश 'जग्गी' वासुदेव एक भारतीय योग गुरु और आध्यात्मिकता के समर्थक हैं। उनका जन्म 3 सितम्बर, 1957 में हुआ है। वे 'सद्गुरु' के नाम से जाने जाते हैं। वर्ष 1992 में, उन्होंने कोयंबटूर के पास ईशा फाउंडेशन की स्थापना की।

चमत्कार होने की प्रतीक्षा न करें। जीवन का सबसे बड़ा चमत्कार स्वयं जीवन है। आपके जीवन में जो कुछ भी आता है, तो उसे ठीक करने का प्रयास न करें, बल्कि अपने आप को इस तरह से पक्का करो कि जो कुछ भी तुम्हारे जीवन में आए, तुम दुरुस्त ही रहो। अच्छा घर होना, अच्छा खाना खाना, अच्छे कपड़े पहनना, अच्छे से जीने के साधन हैं; वे हमारे जीवन के लक्ष्य नहीं हैं। आपके जीवन की उत्तमता इस बात से तय होती है कि आप कितने शांतिपूर्ण और आनंदमय हैं। निराशा, उदासी और डिप्रेशन का मतलब है कि आप अपने खिलाफ काम कर रहे हैं। आपके दुखी होने का एक ही कारण है कि आप खुश रहने की कोशिश कर रहे हैं। यदि आप जीवन को सहजता से और बिना किसी उलझाव के चलते हैं, तो वह प्रौढ़ता है। बुद्धिमत्ता की निशानी है कि आप

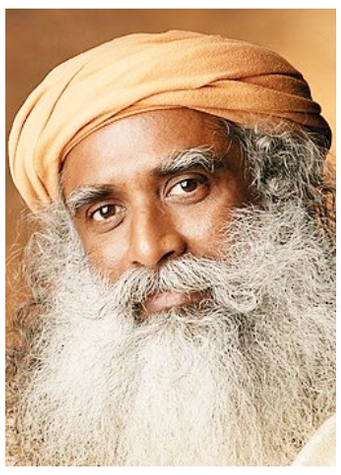

लगातार सोच रहे हैं। बेवकूफ हमेशा अपने जीवन में जो कुछ भी कर रहे हैं उसके बारे में निश्चित होते हैं। जीवन में सबसे खूबसूरत क्षण वे क्षण होते हैं जब आप अपनी खुशी व्यक्त कर रहे होते हैं, न कि जब आप इसे खोज रहे होते हैं। मूर्खतापूर्ण निष्कर्षों से भ्रम बेहतर है। असमंजस में, अभी भी एक संभावना है, मूर्खतापूर्ण निष्कर्ष में, कोई संभावना नहीं है। जो अपने भीतर की शांति को नहीं छूता उसे आराम कभी नहीं मिलेगा। जीवन एक बहुत ही सुंदर साधन से आया है। यदि आप उस साधन के संपर्क में रहते हैं, तो आपके बारे में सब कुछ सुंदर होगा। डर सिर्फ इसलिए है, क्योंकि तुम जीवन के साथ नहीं जी रहे हो, तुम अपने मन में जी रहे हो। यदि आप अपना जीवन उस चीज़ में निवेश नहीं करते हैं, जिसकी आप वास्तव में परवाह करते हैं, तो आपका जीवन बर्बाद हो जाएगा। आप उड़ेंगे नहीं, आप बस अपने आप को जीवन में खींच लेंगे। मनुष्य एक बीज के समान है। या तो आप इसे वैसे ही रख सकते हैं, या आप इसे फूलों और फलों के साथ एक अद्भुत पेड़ के रूप में विकसित कर सकते हैं।

प्रेरक प्रसंग

सबसे बड़ा काम

एक बार ईसा मसीह को एक स्थान पर प्रवचन के लिए आमंत्रित किया गया। सभा स्थल पर पहुंचते ही उनकी नज़र एक कृशकाय व्यक्ति पर पड़ी, जो पीड़ा से कराह रहा था। ईसा मसीह शीघ्र उसकी सेवा और उपचार में लग गए।

उन्हें ऐसा करते देख विरोधियों ने सोचा कि ईसा प्रवचन नहीं करना चाह रहे हैं। यही सोचकर एक व्यक्ति ने व्यंग्य करते हुए कहा - 'ईसा! तू यहां प्रवचन देने आया है या फिर हक़ीमी करने। तूने अपना सबसे बड़ा काम कैसे छोड़ दिया।' ईसा मसीह शांत स्वर में बोले - 'क्या तुममें कोई ऐसा है, जिसके पास एक ही भेड़ हो और वह कुएं में गिर जाए, तो वह सारा काम छोड़कर उसे निकालने न लग जाए। मेरा सबसे बड़ा काम तो दीन-दुखियों की सेवा करना है। प्रवचन, धर्म प्रचार आदि तो साधारण काम है।'

उदारता

हजरत मुहम्मद के अनेक विरोधी थे। पर वे उन सबकी परवाह न कर निरन्तर अपना धर्मप्रचार का कार्य करते रहते थे। विरोधी उन्हें इससे विरत करने के लिये तरह-तरह के प्रयास करते थे। एक बार हजरत मुहम्मद अपने घर जा रहे थे तो उनके एक विरोधी ने ऊपर गन्दा कूड़ा-कचरा उनके सिर पर फेंक दिया। मुहम्मद साहब ने कोई विरोध नहीं किया और चुपचाप अपने रास्ते पर आगे बढ़ गये। अब उस व्यक्ति का यह नित्य का क्रम बन गया। जब भी हजरत मुहम्मद वहाँ से गुजरते, वह ऊपर से कूड़ा फेंक देता। अनेक दिनों तक ऐसा होता रहा। एक दिन सहसा इस क्रम का उल्लंघन हो गया। मुहम्मद साहब ने पड़ौसियों से पूछा 'भाई वह व्यक्ति जो मुझ पर कूड़ा डालता था आज दिखाई नहीं दे रहा।' पड़ौसियों ने बताया कि वह बहुत बीमार है। यह सुनते ही मुहम्मद साहब तुरन्त उसके घर गये, उसे दवा दिलवायी और कई दिनों तक उसकी सेवा सुश्रूषा करते रहे। मुहम्मद साहब की इस उदारता और विशाल हृदयता ने विरोधी का मन जीत लिया। उसने उनके पैरों पर गिर कर अपने दुष्कर्मों के लिये क्षमा माँगी और धर्म प्रचार में उनका सहायक बन गया।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हनुमानजी सूर्य को आख़िर कैसे निगल गए ?

(भाग 2)

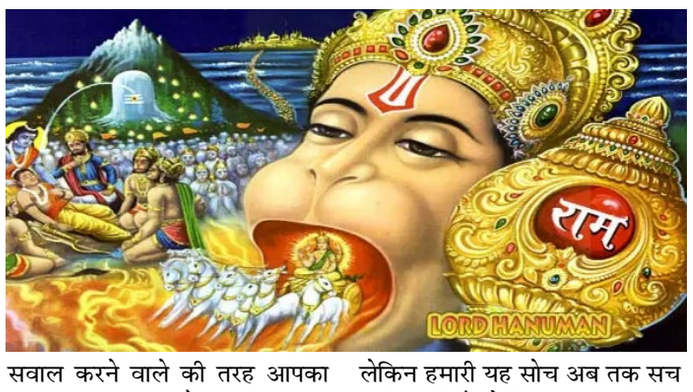

पूर्व स्थिति- आज से ७०-८० साल पहले अगर कोई कहता कि इंसान अंतरिक्ष में जा सकता है तो लोग हंसते रहे होंगे।

४०-५० साल पहले कोई कहता की इंसान हजारों किलोमीटर की दूरी चंद घंटों में पूरी कर सकता है तो लोग हंसते रहे होंगे। २०-३० साल पहले कोई कहता कि इंसान दूर बैठे दूसरे इंसान से बातचीत कर सकता है तो लोग हंसते रहे होंगे। १५-२० साल पहले कोई कहता कि एक इंसान दूर बैठे दूसरे इंसान से फेस टू फेस देख सकता है तो लोग हंसते रहे होंगे।

वर्तमान स्थिति-

हाल ही में चीन ने अपना खुद का एक कृत्रिम सूर्य बनाने में सफलता हासिल की है। आज हम लोग शहर में रहते है इसलिए इस खबर को सुन- पढ़ कर यकीन कर सकते है। लेकिन गांव में जाकर किसी से पूछोगे तो वह इस सवाल करने वाले की तरह आपका मजाक उड़ाएगा। और इस बात पर यकीन नही करेगा कि कोई देश (किसी देश के लोग) सूर्य को बना सकते है। अब आप समझ गए होंगे कि मैं क्या कहना चाहता हूं!

आगे भी विज्ञान की मदद से हम लाइटिंग स्पीड से सफर करने पर रिसर्च कर रहे है, और अभी यह मजाक लग रहा होगा। लेकिन हमारी यह सोच अब तक सच साबित हुई है तो फिर हमारी संस्कृति के बारे में आप ऐसा क्यों सोचते है जैसे कि सब एक अंधविश्वास हो।

हमारी संस्कृति हमारे दिल- दिमाग, इतिहास, किताबो और वेदों में निहित है जबकि विज्ञान की अभी शुरुआत ही है इसलिए हम आज तक भी विज्ञान को सही तरीक़े से नहीं समझ पाए है तो फिर अपनी संस्कृति को आप एक लिमिट तक सही लेकिन ज़्यादा विज्ञान से तुलना कैसे कर सकते है। इसलिए कभी भी अपनी संस्कृति को विज्ञान से ज्यादा तुलना नही करनी चाहिए। कुछ चीजें ऐसी होती है जो अभी विज्ञान भी नही समझता।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

द ग्रेट वुमन

जन्म तिथि 3 सितंबर से 2 सितंबर तक

नीलम रामअवध

इस लेख में हम उन महिलाओं के बारे में बताएंगे, जिन्होंने कई उपलब्धियां हासिल कर समाज के लिए अपना अहम योगदान दिया है। ये उन सभी महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं जो अकेले अपने दम पर अपने सपने को पूरा करना चाहती हैं।

भानुमती रामकृष्ण

निर्देशक और लेखिका

जन्म-7 सितंबर, 1925, आंध्र प्रदेश

भानुमती रामकृष्ण एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री, गायिका, निर्देशक और लेखिका थीं। वह दक्षिण भारतीय सिनेमा की पहली महिला सुपरस्टार में से एक बन गईं। भानुमती ने कई सफल तेलुगु और तमिल फिल्मों में अभिनय किया और अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती थीं। वह एक प्रशिक्षित शास्त्रीय गायिका भी थीं और उन्होंने अपनी कुछ फिल्मों के लिए संगीत भी तैयार किया था। अभिनय के अलावा, भानुमती ने फिल्मों का निर्देशन और निर्माण भी किया, जिससे वह इंडस्ट्री में अग्रणी बन गईं। सिनेमा में उनके योगदान के लिए उन्हें कई पुरस्कार मिले और उन्हें भारतीय फिल्म में महिलाओं के लिए एक अग्रणी के रूप में याद किया जाता है।

इला भट्ट

स्वरोजगार महिला संघ (SEWA) की संस्थापक

जन्म-7 सितंबर, 1933, अहमदाबाद

निधन- 2 नवंबर 2022

इला भट्ट एक प्रसिद्ध भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता और स्वरोजगार महिला संघ (SEWA) की संस्थापक थीं। , उन्होंने अपना जीवन भारत में गरीब, स्वरोजगार वाली महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित कर दिया। इला भट्ट महिलाओं को वित्तीय स्वतंत्रता और सामाजिक सुरक्षा हासिल करने में मदद करके उन्हें सशक्त बनाने में विश्वास करती थीं। उनके नेतृत्व में SEWA, लाखों महिलाओं का समर्थन करते हुए अपनी तरह का सबसे बड़ा और सबसे सफल संगठन बन गया। उन्हें अपने काम के लिए विश्व स्तर पर पहचाना गया और उन्हें पद्म भूषण सहित कई पुरस्कार मिले।

ज्वाला गुट्टा

बैडमिंटन खिलाड़ी

जन्म-7 सितंबर 1983, महाराष्ट्र

ज्वाला गुट्टा एक प्रसिद्ध भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं, जिनका जन्म 7 सितंबर, 1983 को महाराष्ट्र में हुआ था। वह युगल बैडमिंटन में अपनी उपलब्धियों के लिए प्रसिद्ध हैं, जहाँ उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीते हैं। भारतीय और चीनी मूल की ज्वाला ने छोटी उम्र में ही बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया था और भारत की शीर्ष खिलाड़ियों में से एक बन गईं। उन्होंने कई ओलंपिक खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया, 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीता। ज्वाला अपनी मज़बूत खेल शैली और दृढ़ संकल्प के लिए जानी जाती हैं। पेशेवर बैडमिंटन से संन्यास लेने के बाद, वह खेलों में शामिल रहती हैं और भारत में फिटनेस को बढ़ावा देती हैं।

आशा भोसले

पार्श्व गायिका

जन्म- 8 सितंबर 1933 सांगली

आशा भोसले एक प्रसिद्ध भारतीय पार्श्व गायिका हैं। अपनी बहुमुखी आवाज़ के लिए जानी जाने वाली, उन्होंने हिंदी, मराठी और बंगाली सहित विभिन्न भारतीय भाषाओं में हज़ारों गाने गाए हैं। आशा का करियर 1950 के दशक में शुरू हुआ और वह बॉलीवुड संगीत में अपने काम के लिए प्रसिद्ध हुईं। वह शास्त्रीय से लेकर आधुनिक तक विभिन्न शैलियों में गाने की अपनी क्षमता के लिए प्रसिद्ध हैं और उन्हें संगीत में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार मिले हैं, जिनमें पद्म भूषण भी शामिल है। अनूठी आवाज़ और विस्तृत रेंज ने उन्हें भारतीय सिनेमा में सबसे प्रिय और सम्मानित गायिकाओं में से एक बना दिया है।

किरण देसाई

प्रसिद्ध लेखिका

जन्म- 3 सितम्बर 1971, नई दिल्ली

किरण देसाई एक प्रशंसित भारतीय लेखिका हैं। वे प्रसिद्ध लेखिका अनीता देसाई की बेटी हैं। किरण ने अपने उपन्यास द इनहेरिटेंस ऑफ़ लॉस (2006) से अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की, जिसने प्रतिष्ठित मैन बुकर पुरस्कार जीता। यह पुस्तक वैश्वीकरण, प्रवास और सांस्कृतिक पहचान के विषयों की खोज करती है, जो आधुनिक जीवन की जटिलताओं को दर्शाती है। देसाई का लेखन अपनी समृद्ध भाषा और मानवीय भावनाओं के व्यावहारिक चित्रण के लिए प्रसिद्ध है। उन्होंने भारत, इंग्लैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका में अध्ययन किया, जहाँ वे रहती हैं और लिखती हैं। उनका काम समकालीन साहित्य में प्रभावशाली बना हुआ है।

साक्षी मलिक

पहलवान

जन्म-3 सितंबर 1992, रोहतक, हरियाणा

साक्षी मलिक एक भारतीय पहलवान हैं। 2016 के रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के बाद वह प्रसिद्ध हो गईं, जिससे वह ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बन गईं। साक्षी ने अपने दादा से प्रेरित होकर छोटी उम्र में ही कुश्ती शुरू कर दी थी। पुरुष प्रधान खेल में उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने सफल होने के लिए कड़ी मेहनत की। ओलंपिक में उनकी जीत ने उन्हें व्यापक पहचान दिलाई और उन्हें भारत की युवा लड़कियों के लिए एक आदर्श बना दिया। साक्षी अपने दृढ़ संकल्प और उपलब्धियों से प्रतिस्पर्धा करना और दूसरों को प्रेरित करना जारी रखती हैं।

प्रीति सरन

सेवानिवृत्त भारतीय राजनयिक

जन्म-5 सितंबर 1958

प्रीति सरन एक सेवानिवृत्त भारतीय राजनयिक हैं, जिन्हें विदेश सेवा में उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए जाना जाता है। वह 1982 में भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुईं। अपने करियर के दौरान, उन्होंने वियतनाम, नेपाल और कनाडा जैसे देशों में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। प्रीति ने वियतनाम में भारत की राजदूत के रूप में कार्य किया और बाद में विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) बनीं, जहाँ उन्होंने एशियाई देशों के साथ भारत के संबंधों का प्रबंधन किया। सेवानिवृत्त होने के बाद, उन्होंने आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र समिति के सदस्य के रूप में काम करना जारी रखा, वैश्विक मुद्दों पर अपनी विशेषज्ञता का योगदान दिया।

अनु पेशावरिया

वकील, लेखिका, सामाजिक कार्यकर्ता

जन्म- 5 सितम्बर 1961, अमृतसर

अनु पेशावरिया एक भारतीय-अमेरिकी वकील, लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता हैं। भारत के अमृतसर में जन्मी, वे संयुक्त राज्य अमेरिका चली गईं, जहाँ वे यू.एस. सुप्रीम कोर्ट में कानून का अभ्यास करने वाली पहली भारतीय मूल की महिला बनीं। अनु को आव्रजन और मानवाधिकारों पर उनके काम के लिए जाना जाता है, खासकर घरेलू हिंसा के पीड़ितों की मदद करने और अप्रवासियों को कानूनी सहायता प्रदान करने में। उन्होंने इन विषयों पर किताबें लिखी हैं और जागरूकता बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम करती हैं। न्याय के प्रति अनु के समर्पण और दूसरों की मदद करने की उनकी प्रतिबद्धता ने उन्हें भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका दोनों में एक सम्मानित व्यक्ति बना दिया है।

प्याज का रस है बालों के लिए खास

अगर आप अपने बालों की ग्रोथ बढ़ाने के लिए कोई प्राकृतिक तरीका खोज रहे हैं, तो प्याज का रस आपका सबसे अच्छा दोस्त हो सकता है! सल्फर जैसे पोषक तत्वों से भरपूर प्याज का रस आपके बालों को मजबूत बनाने और स्कैल्प के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद करता है। यह एक आसान और किफायती उपाय है जिसका इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। इस गाइड में, हम आपके बालों के लिए प्याज के रस का ज़्यादा से ज़्यादा फ़ायदा उठाने के लिए नौ सरल टिप्स और हैक्स शेयर करेंगे। बस कुछ आसान चरणों के साथ स्वस्थ, घने बालों के रहस्यों को जानने के लिए तैयार हो जाइए !

प्याज का रस निकालें : प्याज को छीलकर छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। उन्हें एक महीन पेस्ट में मिलाएं और रस निकालने के लिए चीज़क्लोथ या बारीक छलनी का उपयोग करके इसे छान लें। अगर आपके पास प्याज का जूसर है, तो आप इसका उपयोग भी कर सकते हैं।

पैच टेस्ट पहले : अपने स्कैल्प पर प्याज का रस लगाने से पहले, पैच टेस्ट करें। किसी भी एलर्जी या जलन की जांच करने के लिए अपनी त्वचा के एक छोटे से हिस्से पर रस की थोड़ी मात्रा लगाएं।

सीधे स्कैल्प पर लगाएं : प्याज के रस को सीधे अपने स्कैल्प पर लगाने के लिए कॉटन बॉल या अपनी उंगलियों का उपयोग करें। कुछ मिनटों के लिए अपनी उंगलियों से धीरे-धीरे मालिश करें। यह रक्त प्रवाह को बढ़ाने में मदद करता है और यह सुनिश्चित करता है कि रस स्कैल्प में प्रवेश करता है।

इसे 30 मिनट तक लगा रहने दें: प्याज के रस को अपने स्कैल्प पर लगभग 30 मिनट तक लगा रहने दें। इससे पोषक तत्वों को काम करने का समय मिल जाता है। अगर आपकी त्वचा संवेदनशील है, तो आप कम समय से शुरू करके धीरे-धीरे समय बढ़ा सकते हैं।

माइल्ड शैम्पू से धोएं : 30 मिनट के बाद, अपने बालों को माइल्ड शैम्पू से धोएँ। प्याज के रस में तेज गंध हो सकती है, इसलिए एक अच्छा शैम्पू किसी भी तरह की गंध को दूर करने में मदद करेगा। आप गंध को और छिपाने के लिए सुगंधित कंडीशनर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

नियमित रूप से दोहराएं : सर्वोत्तम परिणामों के लिए, सप्ताह में दो से तीन बार अपने स्कैल्प पर प्याज के रस का इस्तेमाल करें। बालों के विकास और मोटाई में सुधार देखने के लिए निरंतरता महत्वपूर्ण है।

अन्य सामग्री के साथ मिलाएं : आप प्याज के रस को अन्य प्राकृतिक सामग्री के साथ मिलाकर इसके लाभों को बढ़ा सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप इसे स्कैल्प को पोषण देने के लिए नारियल के तेल के साथ या नमी जोड़ने और तीखी गंध को कम करने के लिए शहद के साथ मिला सकते हैं।

स्वस्थ आहार बनाए रखें : प्याज के रस का उपयोग बालों के विकास में मदद कर सकता है, लेकिन विटामिन और खनिजों से भरपूर संतुलित आहार बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है। बालों के समग्र स्वास्थ्य का समर्थन करने के लिए प्रोटीन, विटामिन ए और सी और आयरन से भरपूर खाद्य पदार्थ खाएं।

ऑयली स्किन के लिए घर पर बनाएं ये बॉडी लोशन

जिन लोगों की ऑयली स्किन होती है, वे जल्दी से अपनी स्किन पर मॉइश्चराइजर या बॉडी लोशन का इस्तेमाल नहीं करते हैं। जबकि हर स्किन टाइप को अतिरिक्त नमी की जरूरत होती ही है। जब आप अपनी ऑयली स्किन पर बॉडी लोशन को स्किप करते हैं तो इससे आपकी स्किन अतिरिक्त सीबम उत्पादन करती है जिससे स्किन और भी ज्यादा ऑयली व ग्रीसी नजर आती है। यूं तो आप अपनी ऑयली स्किन के लिए मार्केट से भी बॉडी लोशन खरीद सकते हैं, लेकिन इन्हें घर पर बनाना भी अच्छा विचार है। आइए बताते हैं कि ऑयली स्किन के लिए बॉडी लोशन कैसे बनाएं :

खीरा-पुदीना से बनाएं बॉडी लोशन : यह लोशन ताज़गी और ठंडक प्रदान करता है। साथ ही साथ, ऑयलीनेस को कम करते हुए स्किन को हाइड्रेट और टोन करता है।

आवश्यक सामग्री : आधा खीरा (छीलकर प्यूरी किया हुआ), 1 बड़ा चम्मच एलोवेरा जेल, 1 बड़ा चम्मच गुलाब जल, 5-6 ताज़े पुदीने के पत्ते (बारीक कटे हुए), 1 छोटा चम्मच ग्लिसरीन

बॉडी लोशन बनाने का तरीका : सबसे पहले छिलके वाले खीरे को चिकना होने तक ब्लेंड करें। खीरा ठंडा, सूदिंग होने क साथ-साथ अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने में मदद करता है। अब एक कटोरे में खीरे की प्यूरी को एलोवेरा जेल के साथ मिलाएं। अब कटे हुए पुदीने के पत्ते और गुलाब जल मिलाएं। अतिरिक्त नमी के लिए ग्लिसरीन मिलाएं। अब तैयारमिश्रण को एक साफ बोतल में डालें और फ्रिज में रख दें। हर बार उपयोग से पहले हिलाएं और आवश्यकतानुसार चेहरे और शरीर पर लगाएं।

एलोवेरा और टी ट्री ऑयल बॉडी लोशन

यह लोशन लाइट है और बिल्कुल भी चिपचिपा नहीं है। यह बॉडी लोशन स्किन को हाइड्रेटेड और एक्ने फ्री रखते हुए अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने में मदद करता है।

आवश्यक सामग्री : 2 बड़े चम्मच एलोवेरा जेल, 1 बड़ा चम्मच जोजोबा तेल, 5-6 बूंद टी ट्री एसेंशियल ऑयल, 1 बड़ा चम्मच विच हेज़ल, 1 बड़ा चम्मच डिस्टिल्ड वॉटर

बॉडी लोशन बनाने का तरीका : सबसे पहले एक साफ बाउल में एलोवेरा जेल और जोजोबा तेल को अच्छी तरह से मिलाएं। अब इसमें टी ट्री ऑयल मिलाएं। इसमें जीवाणुरोधी और सूजन-रोधी गुण होते हैं, जो इसे मुंहासे निकलने से रोकने के लिए आदर्श बनाता है। इसमें धीरे-धीरे विच हेज़ल मिलाएं। तैयार मिश्रण को लोशन जैसी कंसिस्टेंसी प्राप्त करने के लिए डिस्टिल्ड वॉटर मिलाएं और मिश्रण को अच्छी तरह मिक्स करें। लोशन को स्टेरलाइज़ की गई बोतल में डालकर फ्रिज में स्टोर करें। फिर इस्तेमाल करें।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष पारिवारिक सुख-शांति बनी रहेगी। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से सहयोग प्राप्त होगा। पूजा-पाठ में मन लगेगा। तीर्थदर्शन हो सकते हैं। विवेक का प्रयोग करें, लाभ होगा। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। विरोध होगा।

वृष स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। कार्य करते समय लापरवाही न करें। बनते कामों में बाधा हो सकती है। विवाद से बचें। काम में मन नहीं लगेगा। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। विवेक का प्रयोग करें।

मिथुन घर-परिवार की चिंता रहेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का मार्गदर्शन व सहयोग प्राप्त होगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर-परिवार में प्रसन्नता रहेगी। बाहर जाने का मन बनेगा। भाइयों से मतभेद दूर होंगे।

कर्क लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से क्रोध रहेगा। भूमि व भवन संबंधी बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेगा।

सिंह रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। पारिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ आनंदायक समय व्यतीत होगा।

कन्या बुरी सूचना मिल सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। आय में कमी रहेगी। नकारात्मकता बढ़ेगी। विवाद से क्लेश होगा। जल्दबाजी में कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। अनावश्यक परेशानी खड़ी हो सकती है।

तुला सामाजिक कार्यों में मन लगेगा। दूसरों की सहायता कर पाएंगे। रुके कार्यों में गति आएगी। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। व्यापार ठीक चलेगा। मनोरंजक यात्रा हो सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा।

वृश्चिक उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। कोई नया बड़ा काम करने की योजना बनेगी। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा।

धनु किसी बड़ी समस्या का हल मिलेगा। व्यावसायिक साझेदार पूर्ण सहयोग करेंगे। कोई नया उपक्रम प्रारंभ करने का मन बनेगा। सेहत का ध्यान रखें। वरिष्ठजनों की सलाह काम आएगी। नए मित्र बनेंगे।

मकर सेहत को प्राथमिकता दें। लेन-देन में जल्दबाजी से हानि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। महत्वपूर्ण निर्णय लेने का समय नहीं है। चिंता तथा तनाव रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अनावश्यक जोखिम न लें।

कुंभ आय में वृद्धि होगी। बिगड़े काम बनेंगे। प्रसन्नता रहेगी। मित्रों के साथ अच्छा समय व्यतीत होगा। व्यस्तता के चलते स्वास्थ्य बिगड़ सकता है, ध्यान रखें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी।

मीन मान-सम्मान मिलेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। विरोध होगा। काम करते समय लापरवाही न करें। चोट लग सकती है। थकान तथा कमजोरी महसूस होगी।

सोमवार के दिन श्रृंगी से करें जलाभिषेक

सोमवार के दिन भगवान शिव का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, पंचामृत अभिषेक, रुद्राभिषेक आदि कई प्रकार से अभिषेक करते हैं इसमें जलाभिषेक सबसे महत्वपूर्ण होता है। लेकिन जलाभिषेक यदि श्रृंगी से किया जाए तो यह बहुत ही शुभ होता है।

क्या होती है श्रृंगी?

गाय के सिंग के आकार की पीतल की धातु से बना एक जल पात्र जिसे बजा भी सकते हैं। भगवान शिव के कमर में यह बंधा रहता है। इस पात्र को उनके गण नंदी ने उन्हें भेंट किया था। इसलिए यह पात्र उन्हें अत्यधिक प्रिय है।

श्रृंगी से जलाभिषेक कैसे करें?

1. शिवलिंग पर जल चढ़ाने के लिए तांबे, चांदी या पीतल के पात्र या लोटे का उपयोग करते हैं लेकिन श्रृंगी का उपयोग करेंगे तो इससे शिवजी अत्यंत प्रसन्न होंगे।
2. श्रृंगी में पहले कुछ बूंद गंगाजल डालने के बाद मात्र शुद्ध और पवित्र जल से अभिषेक करने पर शारीरिक एवं मानसिक ताप मिटते हैं। इससे वर्षा भी होती है।
3. श्रृंगी में गंगा जल से अभिषेक करने से ज्वर ठीक हो जाता है। ज्वर की शांति हेतु शीतल जल/गंगाजल से रुद्राभिषेक करें।
4. तीर्थ जल से अभिषेक करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।

5. कुशा जल से अभिषेक करने पर रोग व दुःख से छुटकारा मिलता है।
6. श्रृंगी में सबसे पहले गंगाजल डालें और अभिषेक शुरू करें फिर उसी से गन्ने का रस, शहद, दही, दूध अर्थात पंचामृत समेत जितने भी तरल पदार्थ हैं, उनसे शिवलिंग का अभिषेक कर सकते हैं।
7. शिवलिंग पर चल अर्पित करने समय आपका मुंह उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए पूर्व दिशा की ओर नहीं। पूर्व दिशा शिव का मुख्य द्वार माना जाता है।
8. शिवलिंग पर धीरे धीरे जल अर्पित करना चाहिए क्योंकि शिवजी को धरांजली पसंद है। एक छोटी धारा के रूप में जल चढ़ाया जाना चाहिए।
9. शिवजी को दूध अर्पित करने के लिए तांबे के बर्तन का उपयोग नहीं पीतल के बर्तन का उपयोग करना चाहिए।
10. हमेशा बैठकर ही शिवलिंग पर जल अर्पित करना चाहिए। खड़े होकर नहीं।
11. शिवलिंग पर जल अर्पित करते समय 'ऊं नमः शिवाय' पंचाक्षरी मंत्र का जाप करते रहें।
12. शिवलिंग पर जल हमेशा दाएं हाथ से ही चढ़ाएं और बाएं हाथ को दाएं हाथ से स्पर्श करें।
13. शिवलिंग पर कभी भी शंख से जल न चढ़ाएं।
14. शिवलिंग पर जल कभी भी एक हाथ से अर्पित न करें।
15. जल चढ़ाने के बाद शिवलिंग की बिल्वपत्र रखें।
16. बिल्वपत्र रखने के बाद ही शिवलिंग की अधूरी परिक्रमा करें।

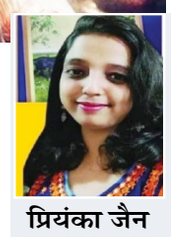

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

बांध की दीवार टूटी, लाशें बहने लगी

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर में सोमवार सुबह खो-नागोरियान स्थित नूर का बांध टूट गया। पानी कब्रिस्तान में चला गया। इससे 5 शव कब्र से बाहर निकल आए और पानी के साथ बहने लगे। सूचना पर खो-नागोरियान पुलिस मौके पर पहुंची। बांध के पास पुलिस बल तैनात किया गया है।हालांकि सभी शवों को स्थानीय लोगों ने पानी से बाहर निकाल लिया है। सोमवार की सुबह नागोरियान स्थित नूर का बांध का एक हिस्सा अचानक से टूट गया। पानी पास में बने कब्रिस्तान को अपनी जद में ले लिया। बांध टूटने की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने टीम को तैनात किया है। हालांकि स्थानीय लोगों की मदद से पानी में बहे सभी शवों को निकाल लिया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बांध टूटने से कब्रिस्तान में पानी घुस गया। जिसके तेज बहाव की वजह से कब्र से कई लाशें बाहर निकल आई।

रामूराम राइका 7 सितंबर तक रिमांड पर

जयपुर। राजस्थान में एसआई भर्ती पेपरलीक से जुड़े मामले में RPSC के पूर्व सदस्य रामूराम राइका को 7 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा है। अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट कम 5 महानगर द्वितीय ने सोमवार को पुलिस उप निरीक्षक भर्ती 2021 पेपर लीक मामले में आरपीएससी के पूर्व सदस्य रामू राम राइका को 7 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर एसओजी को सौंप दिया। एसओजी की ओर से रविवार को आरोपी राइका को गिरफ्तार करने के बाद सोमवार को अदालत में पेश किया गया। एसओजी ने बताया कि आरोपी से विस्तृत पूछताछ करनी है। वह आयोग के सदस्य रह चुके हैं। ऐसे में अन्य भर्तियों में भी उनकी भूमिका रही है, इसलिए उन्हें 9 दिन की पुलिस डिमांड पर सौंपा जाए। इस पर अदालत में उन्हें 7 सितंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजने के आदेश दिए। सुनवाई के दौरान राइका ने अदालत कक्ष में एक वकील को कथित रूप से थप्पड़ मारने की धमकी भी दे डाली। इसके बाद बड़ी संख्या में युवा अधिवक्ता कोर्ट परिसर के बाहर एकत्रित हो गए और नारेबाजी करने लगे।

गैरहाजिर चल रहे 26 चिकित्सक होंगे बर्खास्त

लखनऊ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग में बड़ी कार्रवाई की गई है। ड्यूटी से लगातार गैरहाजिर एवं उच्चाधिकारियों के आदेशों की लगातार अवहेलना के चलते प्रदेश में 26 चिकित्सकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। उन्हें एक माह का नोटिस देते हुए सरकारी सेवा से तत्काल बर्खास्त करने के निर्देश उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने प्रमुख सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को दिए हैं। डिप्टी सीएम का कहना है कि चिकित्सीय कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।

जिन चिकित्सकों को बर्खास्त करने के निर्देश जारी किए गए हैं, उनमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) कोंच, जालौन के चिकित्साधिकारी डा. प्रशांत पाठक, सीएमओ बरेली के अधीन चिकित्साधिकारीगण डा. इमरान खान एवं डा. सुरभि गुप्ता, पीएचसी चिल्लौन्सा मैनपुरी के चिकित्साधिकारी डा.

अनुज कुमार, पीएचसी समान किशनी, मैनपुरी के चिकित्साधिकारी डा. राजकुमार, सीएचसी कालपी, जालौन के चिकित्साधिकारी डा. यासमून अख्तर सिद्दिकी, सीएमओ सिद्धार्थनगर के अधीन चिकित्साधिकारीगण डा. प्रवीन आनंद, डा. नेहा सिन्हा, डा. ज्योत्सा ओझा, सीएमओ ललितपुर के अधीन चिकित्साधिकारीगण डा. शुभांशु शिवहरे, डा. विवेक कुमार गौतम, डा. मोहम्मद हासिम, सीएमओ बलिया के अधीन चिकित्साधिकारीगण डा. प्रमोद कुमार, डा. पूजा सिंह, सीएमओ बस्ती के अधीन चिकित्साधिकारी डा. आमोद कुमार सरोज, पीएचसी कुसमुरा, मैनपुरी के चिकित्साधिकारी डा. मोहम्मद सलीम, सीएचसी जगतपुर, रायबरेली के चिकित्साधिकारी डा. धीरेंद्र कुमार, पीएचसी मटका, रायबरेली के चिकित्साधिकारी डा. प्रियंका सोनी, सीएमओ रायबरेली के अधीन चिकित्साधिकारी डा. शुभेंद्र कुमार मौर्या, सीएमओ मथुरा के अधीन चिकित्साधिकारीगण डा. त्रिशाला भदकारिया (पैथॉलोजिस्ट), डा. अभय गर्ग, सीएचसी सिरसागंज, फिरोजाबाद के चिकित्साधिकारी डा. अमित कुमार सिंह, पीएचसी आनंदपुर जारखी, फिरोजाबाद के चिकित्साधिकारी डा. अनुज कुमार गौतम, पीएचसी खैरगढ़, फिरोजाबाद के चिकित्साधिकारी डा. संजीव कुमार, पीएचसी बछगांव कोटला, फिरोजाबाद के चिकित्साधिकारी डा. हिमांशी सागर एवं सीएमओ फिरोजाबाद के अधीन डा. सृष्टि सिंह शामिल हैं।

चलती स्कार्पियों में युवती से गैंगरेप

इंस्टाग्राम पर फ्रेंडशिप के बाद कानपुर से आई थी राजधानी

एजेंसी । लखनऊ

इंस्टाग्राम पर फ्रेंडशिप के बाद कानपुर से लखनऊ आई एक युवती के साथ चलती स्कार्पियो में गैंगरेप की सनसनीखेज वारदात हुई है। युवती को कोल्डड्रिंक में नशीली चीज मिलाकर पिलाने के बाद दरिंदगी की गई। उसे चिनहट के एक होटल में भी लेकर जाया गया। वहां भी उसके साथ गलत हरकतें की गईं। युवकों के चंगुल से बचकर निकली युवती ने चिनहट कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत मिलते ही पुलिस फास्ट हुई और युवती की शिकायत पर दो युवकों को गिरफ्तार भी कर लिया है।

बताया जाता है कि कानपुर की रहने वाली युवती की दोस्ती इंस्टाग्राम के जरिए विनय सिंह से हुई थी। गुरुवार को विनय के बुलाने पर युवती लखनऊ आई थी। यहां पहुंची तो विनय के साथ विपिन सिंह और इनाम सिंह नामक दो युवक भी थे। तीनों ने युवती को लखनऊ घूमाने के बहाने से अपनी स्कार्पियो में बैठा लिया और बाराबंकी रोड की तरफ चले गए।

रास्ते में कोल्ड ड्रिंक खरीदी और युवती को पीने के लिए दिया। इसे पीते ही युवती बेसुध हो गई। आरोप है कि चलती स्कार्पियो में ही तीनों ने युवती से बारी-बारी से रेप किया। अपनी हवसस मिटाने के बाद युवती को लेकर युवक चिनहट के एक होटल पहुंचे। वहां भी आरोपियों ने युवती के साथ गलत हरकत की। पूरी तरह होश में आने पर युवती ने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई। उसे धमकाया गया। युवती मौका पाकर होटल से भाग कर चिनहट कोतवाली पहुंची और तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। इंस्पेक्टर चिनहट अश्विनी चतुर्वेदी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से विपिन, इमान सिंह को पकड़ा गया है और विनय की तलाश की जा रही है।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

रोहनिया। कचहरिया गांव में सोमवार भोर में आम के बगीचे में 32 वर्षीय कैलाश पटेल नामक युवक आम की पेड़ में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर जान दे दी। घटना की सूचना पाकर घटनास्थल पर ग्रामीणों की काफी भीड़ इकट्ठा हो गई। राजातालाब थाना प्रभारी अजीत कुमार वर्मा तथा फोरेंसिक टीम ने घटना के बारे में जांच पड़ताल की। कचहरिया गांव निवासी राजगीर मिस्त्री बिरजू पटेल के दो पुत्रों में कैलाश पटेल छोटा था। उसको 4 वर्ष की एक पुत्री तान्या पटेल है। कैलाश पटेल गैस डिलीवरी का काम करता था। उक्त घटना को लेकर गांव में सन्नाटा पसर गया।

जाली स्टाम्प के मास्टरमाइंड को एटीएस ने किया गिरफ्तार

गोरखपुर। यूपी एटीएस ने प्रदेश में कूटरचित स्टाम्प पेपरों और टिकटों की सप्लाई का सिंडिकेट चलाने वाले एक गैंग के मास्टरमाइंड नवाब आरजू और उसके साथी राजू कुमार यादव को रविवार की सुबह कैंट इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पिता और भांजे सहित सात लोगों को कैंट पुलिस ने पांच महीने पहले ही गिरफ्तार किया था।

सभी आरोपित वर्तमान में जेल में हैं, जबकि नवाब आरजू फरार चल रहा था। कैंट पुलिस ने उस पर इनाम रखा था। बिहार का रहने वाला यह गैंग जाली स्टाम्प पेपर और टिकट छापकर देश और प्रदेश के विभिन्न जिलों में तस्करी करता था। एटीएस की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार इस तरह की सूचना मिल रही थी कि प्रदेश में एक सिंडिकेट चल रहा है

जो बिहार से कूटरचित भारतीय स्टाम्प पेपर और कूटरचित स्टाम्प टिकट छापकर अपने गैंग के सहयोगियों के साथ अलग-अलग जिलों में सप्लाई कर रहा है। इस सूचना की जांच-पड़ताल में बिहार के रहने वाले नवाब आरजू का नाम सामने आया। पता चला कि नवाब आरजू अपने कुछ साथियों के साथ गोरखपुर आने वाला है। इस सूचना के आधार पर यूपी एटीएस ने गोरखपुर में रविवार की सुबह नवाब आरजू और उसके साथी राजू कुमार यादव को गिरफ्तार कर लिया।

यूपी एटीएस के अनुसार नवाब आरजू उर्फ लालू शातिर अपराधी है। वह पहले भी कूटरचित स्टाम्प पेपरों की तस्करी में जेल जा चुका है। वर्तमान में वह यूपी, बिहार और दिल्ली के विभिन्न जिलों में कूटरचित स्टाम्प पेपरों और टिकटों की तस्करी कर रहा था। इसी गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्यों को पहले ही पुलिस जेल भेज चुकी है। इनमें नवाब के पिता कमरुद्दीन, भांजे साहबजादे, ऐश मोहम्मद, रविन्द्र दीक्षित, नन्दलाल प्रसाद और संतोष गुप्ता शामिल हैं। गिरोह के अन्य सक्रिय सदस्य एटीएस के रडार पर हैं। गोरखपुर की कैंट पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

अनाज की कालाबाजारी में कोटेदार पर केस

एजेंसी । वाराणसी

चंदीपट्टी स्थित सरकारी सस्ते गल्ले के दुकानदार जंग बहादुर पर अनाज की कालाबाजारी में बड़ागांव थाने में सोमवार को केस दर्ज किया गया। डीएम के आदेश पर हरहुआ क्षेत्र के पूर्ति निरीक्षक मिथिलेश कुमार सिंह की तहरीर पर कार्रवाई की गई। पूर्ति निरीक्षक के मुताबिक अंत्योदय तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारकों ने डीएम से शिकायत की थी। आरोप लगाया था कि कोटेदार ने जुलाई और अगस्त में कई लोगों को राशन नहीं दिया और कुछ से अंगूठा लगवाने के बाद भी पूरा राशन नहीं दिया। डीएम ने पूर्ति निरीक्षक पिंडरा प्रतीक कुमार शुक्ल को जांच का निर्देश दिया था। जांच में ढाई दर्जन कार्ड धारकों ने राशन न मिलने की शिकायत मिली। जांच रिपोर्ट के आधार पर क्षेत्र के पूर्ति निरीक्षक मिथिलेश कुमार ने तहरीर दी। साथ ही कोटा निरस्त कर दिया गया। चंदीपट्टी में कोटा निलंबित होने के बाद कार्डधारकों दासेपुर स्थित सरकारी दुकान से राशन का वितरण किया जाएगा।

मथुरा में भर-भराकर गिरा मकान

मलबे में दबने से तीन साल की बच्ची की मौत, चार घायल

मथुरा। यूपी के मथुरा से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां थाना गोविंद नगर स्थित नयी बस्ती क्षेत्र में एक मकान के अचानक भर-भराकर गिर गया। जिससे मलबे में दबने से तीन साल की बच्ची की मौत हो गई। जबकि अन्य चार लोग घायल हो गए। पुलिस ने सोमवार को इस मामले की

जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि यह हादसा डीग गेट क्षेत्र की नयी बस्ती इलाके में रविवार देर रात दो बजे उस समय हुआ जब परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में थे। हादसे में मकान मालिक जफर, उसकी पत्नी और तीनों बच्चे मलबे में दब गए। जब तक उन सभी को वहां से निकाला जाता, उनकी तीन साल की बच्ची की मौत हो गयी। एसपी ने बताया कि मकान बहुत पुराना और जर्जर था।

डीएम आवासा परिसर की दीवार गिरी

मथुरा के अलावा आगरा के डीएम आवास परिसर की दीवार रविवार शाम भरभरा कर गिर गई। जिसके मलबे में चार लोग दब गए। शोर शराबा होने पर मौके भीड़ जुट गई और लोगों को बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया। इस दौरान एक बच्ची ने दम तोड़ दिया। वहीं, तीन घायलों का एसएन मेडिकल कॉलेज में उपचार चल रहा है। हादसे की सूचना पर भाजपा विधायक डॉ. जीएस धर्मेश मौके पर पहुंचे।

व्यापार जगत

जेरोधा ने BSE से घटाई अपनी हिस्सेदारी

एजेंसी । नई दिल्ली

नितिन और निखिल कामथ के मालिकाना हक वाली कंपनी जेरोधा (Zerodha) ने बीएसई में अपनी हिस्सेदारी घटाई है। पहली तिमाही की शेयर होल्डिंग की जानकारी बाहर आने के बाद ये बात सामने आई। हालांकि, जेरोधा ने पोर्टफोलियो में एक शराब कंपनी को जोड़ा है। जेरोधा ने बीएसई के 23.30 लाख शेयर बेच दिए हैं। कंपनी की मार्च तिमाही में कुल शेयर होल्डिंग 1.72 प्रतिशत की थी। जोकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में घटकर 1.46 प्रतिशत हो गई है। बता दें, बीएसई ने पिछले 5 सालों के दौरान 1470 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। जबकि बीते एक साल में 133 प्रतिशत का फायदा पोजीशनल निवेशकों को हुआ है।

जेरोधा ने रेडिको खेतान के 13.90 लाख शेयर खरीदे हैं। जोकि कंपनी के 1.04

प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। रेडिको खेतान के पोर्टफोलियों में मैजिक मोमेंट वोडका, 8पीएम ह्वीस्की और रामपुर प्रीमियम इंडियन सिंगल माल्ट है। इस कंपनी ने इस साल अबतक 19 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। वहीं, पिछले एक साल के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 61 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। जेरोधा के को-फाउंडर निखिल कामथ ने अपने पॉडकास्ट में इस निवेश का जिक्र किया था। उन्होंने तब बताया था कि कंपनी में जेरोधा ने 400 करोड़ रुपये का निवेश किया है। कंपनी ने कारट्रेड टेक में निवेश किया है। इस कंपनी ने शेयर बाजार में 2024 में 16 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। पिछले 12 महीने के दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 48 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। जेरोधा के पोर्टफोलियो में शामिल आरबीएल बैंक के शेयरों में इस साल गिरावट देखने को मिली है। इस बैंक के शेयरों का भाव 21 प्रतिशत इस साल लुढ़क गया है। वहीं, फेडरल बैंक के शेयरों की कीमतों में 25 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। जेरोधा की लिस्टेड कंपनियों का पोर्टफोलियो कुल 1536 करोड़ रुपये का है।

3 दिन से लुढ़क रहे सुजलॉन के शेयर

नई दिल्ली। सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन में गिरावट आई है। कंपनी के शेयर सोमवार को BSE में 2.69 पर्सेंट की गिरावट के साथ 73.79 रुपये पर बंद हुए हैं। सुजलॉन एनर्जी का मार्केट कैप भी सोमवार को कारोबार के दौरान 1 लाख करोड़ रुपये के नीचे पहुंच गया था। हालांकि, कारोबार के आखिर में कंपनी का मार्केट कैप 1 लाख करोड़ रुपये के ऊपर रहा है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 84.40 रुपये है। वहीं, सुजलॉन एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 21.71 रुपये है। विंड एनर्जी बिजनेस से जुड़ी कंपनी सुजलॉन एनर्जी (Suzlon Energy) के शेयर पिछले 3 साल में 1213 पर्सेंट चढ़ गए हैं। सुजलॉन एनर्जी के शेयर 3 सितंबर 2021 को 5.62 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 2 सितंबर 2024 को BSE में 73.79 रुपये पर बंद हुए हैं। पिछले 4 साल में सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में करीब 2300 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयर 4 सितंबर 2020 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में 3.08 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 2 सितंबर 2024

को 73.79 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 साल में कंपनी के शेयरों में 2410 पर्सेंट का उछाल आया है। सुजलॉन एनर्जी (Suzlon Energy) के शेयर पिछले एक साल में 206 पर्सेंट से ज्यादा चढ़ गए हैं। विंड एनर्जी कंपनी के शेयर 4 सितंबर 2023 को 24.09 रुपये पर थे। सुजलॉन एनर्जी के शेयर 2 सितंबर 2024 को 73.79 रुपये पर बंद हुए हैं। इस साल अब तक सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में करीब 92 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है। इस साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को कंपनी के शेयर 38.48 रुपये पर थे, जो कि 73 रुपये के पार पहुंच गए हैं।

600% चढ़ गया यह छोटकू शेयर

नई दिल्ली। स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। कंपनी के शेयर सोमवार को 5 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 60.71 रुपये पर पहुंच गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग के शेयरों में पिछले साढ़े 4 साल में 600 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। कंपनी के शेयर इस अवधि में 8 रुपये से बढ़कर 60 रुपये के पार पहुंच गए हैं। पटेल इंजीनियरिंग ने पिछले दिनों रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL) के साथ एक समझौता किया है। इस MoU के तहत दोनों कंपनियां डोमेस्टिक और इंटरनेशनल मार्केट्स में हाइड्रो, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए मिलकर बोली लगाएंगी। दिग्गज इनवेस्टर विजय केडिया का पटेल इंजीनियरिंग पर बड़ा दांव है।

स्मॉलकैप कंपनी पटेल इंजीनियरिंग के शेयर

पिछले साढ़े 4 साल में 600 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर 27 मार्च 2020 को 8.51 रुपये पर थे। पटेल इंजीनियरिंग के शेयर 2 सितंबर 2024 को 60.71 रुपये पर पहुंच गए हैं।

पिछले 3 साल में कंपनी के शेयरों में 320 पर्सेंट के करीब उछाल आया है। इस अवधि में कंपनी के शेयर 14.33 रुपये से बढ़कर 60 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। पिछले 2 साल में कंपनी के शेयरों में 150 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है।

99 रुपए है IPO में शेयर का दाम

100 रुपए पहुंचा GMP, 267 गुना से ज्यादा लगा है दांव

एजेंसी । नई दिल्ली

एक छोटी कंपनी इंडियन फॉस्फेट लिमिटेड शेयर बाजार में एंट्री करने जा रही है। कंपनी के शेयर मंगलवार 3 सितंबर 2024 को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के SME प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होंगे। इंडियन फॉस्फेट के आईपीओ पर लोगों ने जमकर दांव लगाया है। कंपनी का आईपीओ 267 गुना से ज्यादा सब्सक्राइब हुआ है। ग्रे मार्केट में भी इंडियन फॉस्फेट के शेयर धमाल मचाए हुए हैं। कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में 101 पर्सेंट के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। इंडियन फॉस्फेट के पब्लिक इश्यू का टोटल साइज 67.36 करोड़ रुपये का है। IPO में इंडियन फॉस्फेट के शेयर का दाम 99 रुपये है। वहीं, ग्रे मार्केट में इंडियन

फॉस्फेट के शेयर 100 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। यानी, कंपनी के शेयर 101 पर्सेंट के फायदे के साथ ग्रे मार्केट में ट्रेड कर रहे हैं। जीएमपी का डेटा investorgain से लिया गया है। हालांकि, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने SME IPO पर 90% प्राइस कैप लगा रखा है। इसका मतलब यह है कि किसी भी SME IPO का ओपनिंग प्राइस, उसके इश्यू प्राइस से 90 पर्सेंट से अधिक नहीं बढ़ सकता है।

इंडियन फॉस्फेट के आईपीओ पर टोटल 267.89 गुना दांव लगा है। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 243.02 गुना सब्सक्राइब हुआ है। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (NII) कैटेगरी में 441.01 गुना दांव लगा है। जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 181.58 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। कंपनी के आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स सिर्फ 1 लॉट के लिए दांव लगा सकते थे। आईपीओ की एक लॉट में 1200 शेयर हैं। यानी, रिटेल इनवेस्टर्स को 118800 रुपये का इनवेस्टमेंट करना पड़ा है। इंडियन फॉरेस्ट का आईपीओ 26 अगस्त 2024 को दांव लगाने के लिए खुला था और यह 29 अगस्त तक ओपन रहा।

निषाद कुमार ने ऊंची कूद में जीता रजत पदक

एक हाथ से ही छू लिया सफलता का आसमान

एजेंसी । पेरिस

एथलीट निषाद कुमार और प्रीति पाल ने पेरिस पैरालंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए देश को दो और पदक दिला दिए। हिमाचल प्रदेश के निषाद ने ऊंची कूद में 2.04 मीटर की ऊंचाई के साथ रजत जीता। निषाद ने टोक्यो में भी 2.04 मीटर की ऊंचाई के साथ रजत पदक जीता था। वहीं, यूपी की प्रीति पाल ने टी-35 कैटेगरी की 200 मीटर दौड़ में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता। उन्होंने 30:01 सेकंड का समय निकाला। इसी पैरालंपिक में उन्होंने 100 मीटर में कांस्य पदक जीता था। पैरालंपिक में देश को अब तक सात पदक मिल चुके हैं। वहीं, बैडमिंटन में भी तीन रजत पदक मिलने तय हैं। निशाद कुमार हिमाचल प्रदेश के जिला ऊना के तहत अंब तहसील के बदाऊं गांव के रहने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी निशाद कुमार को पदक जीतने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव बिंदल ने भी बधाई दी है।

राज्य सरकार खिलाड़ियों की हर संभव सहायता कर रही: सुक्खू

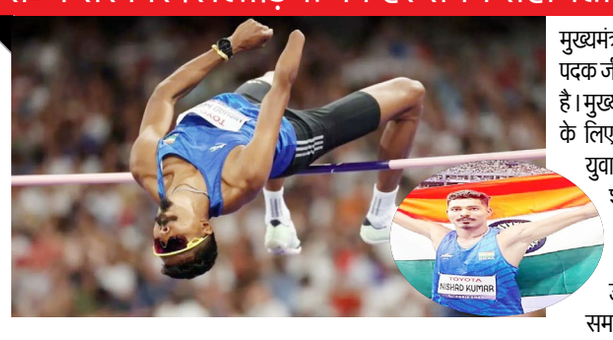

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने रजत पदक जीतने पर निषाद कुमार को बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रदेशवासियों के लिए गौरव का क्षण है कि प्रदेश के युवा खिलाड़ी ने इस प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि निषाद कुमार की यह उल्लेखनीय उपलब्धि उसकी कड़ी मेहनत, समर्पण और खेल के प्रति जुनून का प्रमाण है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि निषाद कुमार की उपलब्धि राज्य की युवा पीढ़ी को अपने-अपने क्षेत्रों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित करेगी। सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार राज्य के खिलाड़ियों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन से देश के साथ राज्य का नाम रोशन करने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

एक हाथ से ही छू लिया सफलता का आसमान

निषाद कुमार ने पैरालंपिक में ऊंची कूद में दूसरी बार रजत पदक जीतकर इतिहास रच दिया। इसके पीछे उनकी और गरीब परिवार की मेहनत तो है, लेकिन जीत का जज्बा और विपरीत हालात को पछाड़कर सितारों को छू लेने की कहानी भी है। एक हादसा जो किसी भी साधारण आदमी के हौंसले को पस्त कर सकता है। उस हादसे को एक गरीब किसान के बेटे ने अपना मुकद्दर नहीं माना। बल्कि उसके बाद मेहनत और लग्न से वह मुकाम हासिल किया। निषाद ने अपने बचपन के एक हादसे के बाद हार नहीं मानी, बल्कि खेलकूद के लिए मूलभूत सुविधाओं और प्रशिक्षण की कमी वाले कस्बे के सरकारी स्कूल से सफर किया। अपने खेलों के सफर को ओलंपिक के विक्ट्री पोडियम तक पहुंचा दिया। महज छह वर्ष की उम्र में चारा काटते समय निषाद का हाथ घास काटने वाली मशीन में आ गया था। जिस कारण दाहिनी कलाई कटकर अलग हो गई। परिवार का इकलौता बेटा होने के कारण उसका हाथ कट जाना परिवार के लिए किसी सदमे से कम नहीं था, लेकिन निषाद ने अपने साथ हुए हादसे को ही अपना मुकद्दर नहीं मान लिया। अपना ध्यान खेलों की तरफ केंद्रित किया और इसके लिए गरीबी के बावजूद खेलों में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के लिए जमा दो कक्षा की पढ़ाई के बाद वह पंचकूला के ताऊ देवीलाल स्टेडियम में पहुंच गया।

सुमित नागल नहीं खेल पाएंगे डेविस कप और यूएस ओपन, खुद ही बताया इसके पीछे का कारण

एजेंसी । पेरिस

भारतीय टेनिस सुमित नागल डेविस कप 2024 से बाहर हो गए। चोट के चलते उनको इस टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा है। यूएस ओपन से वे पहले ही बाहर हो गए थे और अब वे इस टूर्नामेंट के डबल्स में भी नहीं खेल पाएंगे। इसकी जानकारी भी उन्होंने सोशल मीडिया पर दी है। वे डेविस कप में खेलने के लिए एक्साइटेड थे, लेकिन अब पीठ की समस्या के कारण टूर्नामेंट से हटने के लिए मजबूर हो गए हैं।

एक्स अकाउंट पर जानकारी

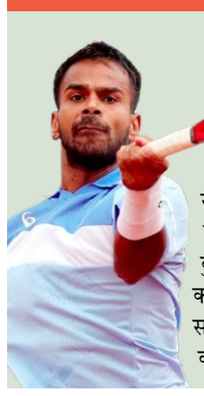

सुमित नागल ने अपने एक्स अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी है कि वे डेविस कप नहीं खेल पाएंगे। उन्होंने लिखा, रूसभी को नमस्कार, मैं स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले में खेलने के लिए वास्तव में उत्सुक था। हालांकि, पिछले कुछ हफ्तों से मुझे पीठ की समस्या हो रही है, जिसके कारण डॉक्टरों ने मुझे अगले दो सप्ताह आराम करने की सलाह दी है, जिससे मुझे स्वीडन में तैयारी और प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पाया।

ये सीजन अच्छा नहीं गुजरा

27 वर्षीय सुमित नागल के लिए ये सीजन अच्छा नहीं गुजरा। इस साल वे तीनों ग्रैंड स्लैम इवेंट में उतरे, लेकिन ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे दौर में बाहर होने वाले इस भारतीय खिलाड़ी को फ्रेंच ओपन और विंबलडन के पहले दौर से ही बाहर होना पड़ा। इसके अलावा अब वे यूएस ओपन में शुरुआत में ही बाहर हो गए हैं।

नितेश कुमार ने पेरिस पैरालंपिक में उड़ाया गर्दा

भारत को दिलाया दूसरा गोल्ड

एजेंसी । पेरिस

भारत के पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी नितेश कुमार ने सोमवार को पेरिस पैरालंपिक 2024 में गर्दा उड़ा दिया। उन्होंने गोल्ड मेडल जीता है। उन्होंने पुरुष एकल एसएल3 वर्ग के फाइनल में ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से शिकस्त दी। यह भारत का पेरिस में दूसरा गोल्ड है। नितेश से पहले शूटर अवनि लेखरा ने गोल्ड अपने नाम किया था। नितेश पैरालंपिक में गोल्ड जीतने वाले तीसरे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बन गए हैं। प्रमोद भगत (एसएल 3) और कृष्णा नागर (एसएच 6) ने टोक्यो में पैरा बैडमिंटन में स्वर्ण हासिल किया था।

पेरिस पैरालंपिक

भारत को मिला आठवां मेडल, योगेश कथुनिया ने डिस्कस थ्रो में जीता रजत पदक

एजेंसी । पेरिस

पेरिस पैरालंपिक 2024 का आज पांचवां दिन है। जहां भारत को एक और मेडल मिला है। भारत के योगेश कथुनिया ने मेन्स डिस्कस थ्रो F56 इवेंट में रजत पदक जीता है। इसी के साथ भारत के खाते में यह आठवां मेडल आ गया है। जबकि तीसरा सिल्वर मेडल है। इससे पहले योगेश ने टोक्यो पैरालंपिक में भी सिल्वर मेडल जीता था। पैरालंपिक में योगेश ने अपने पहले प्रयास में 42.22 मीटर का थ्रो किया, जो उनका सर्वश्रेष्ठ प्रयास रहा। इस गेम में ब्राजील के बतिस्ता डॉस सैंटोस क्लॉडनी ने गोल्ड मेडल जीता। बतिस्ता ने 46.86 के बेस्ट थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता है। बतिस्ता का ये थ्रो पैरालंपिक गेम्स के इतिहास में बेस्ट थ्रो रहा। वहीं ग्रीस के त्जौनीस कोंस्टैंटिनोस ने कांस्य पदक जीता। एफ 56 वर्ग में भाग ले वाले वाले खिलाड़ी बैठ कर प्रतिस्पर्धा करते है। इस वर्ग में ऐसे खिलाड़ी होते है जिनके शरीर के निचले हिस्से में विकार होता है और मांसपेशियां कमजोर होती है।

भारत के पदकवीर

अवनि लेखरा (शूटिंग)- गोल्ड मेडल, वूमेन्स 10 मीटर एयर राइफल (SH1)
मोना अग्रवाल (शूटिंग)- ब्रॉन्ज मेडल, वूमेन्स 10 मीटर एयर राइफल (SH1)
प्रीति पाल (एथलेटिक्स)- ब्रॉन्ज मेडल, वूमेन्स 100 मीटर रेस (T35)
मनीष नरवाल (शूटिंग)- सिल्वर मेडल, मेन्स 10 मीटर एयर पिस्टल (SH1)
रुबीना फ्रांसिस (शूटिंग)- ब्रॉन्ज मेडल, वूमेन्स 10 मीटर एयर पिस्टल (SH1)
प्रीति पाल (एथलेटिक्स)- ब्रॉन्ज मेडल, वूमेन्स 200 मीटर रेस (T35)
निषाद कुमार (एथलेटिक्स)- सिल्वर मेडल, मेन्स हाई जंप (T47)
योगेश कथुनिया (एथलेटिक्स)- सिल्वर मेडल, मेन्स डिस्कस थ्रो (F56)

8वीं पीएनबी मेटलाइफ जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में उभरे नए सितारे

एजेंसी । मुंबई

बैडमिंटन प्रतिभा की चमकदार झलक के साथ, महाराष्ट्र के विभिन्न कोनों से 1,200 से अधिक युवा खिलाड़ियों ने 8वीं पीएनबी मेटलाइफ जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2024 में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतीक्षित खेल आयोजन का समापन सोमवार को मुंबई के प्रतिष्ठित अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में एक रोमांचक फिनाले के साथ हुआ, जहां 10 युवा बैडमिंटन चैंपियन अपने-अपने वर्गों में विजेता बने। विभिन्न आयु वर्गों

में दर्शकों ने शानदार प्रदर्शन देखा। लड़कों के अंडर 9 सिंगल्स में, राघव निवर्ति ने प्रद्युम्न मेश्राम को 15-9, 15-5 से हराया। लड़कियों के अंडर 9 सिंगल्स में, रिशा कादियन ने ख्रीषा गोयल को 9-15, 17-15, 15-13 से हराया। लड़कों के अंडर 11 सिंगल्स में, अर्हम भंडारी ने रोनीत जाधव को 15-12, 15-12 से हराया, जबकि लड़कियों के अंडर 11 सिंगल्स में, प्रिया अंबुर्ले ने समिक्षा मिस्रा को 15-10, 15-11 से पराजित किया। लड़कों के अंडर 13 सिंगल्स में, प्रतम राउत ने श्लोक गोयल को 15-10, 15-12 से हराया। लड़कियों के अंडर 13 सिंगल्स में, वैष्णवी मंगलेकर ने जागृति जितेंद्र जाधव को 15-6, 15-9 से हराया।

लड़कों के अंडर 15 सिंगल्स में, प्रफुल परधी ने क्रित्य पटेल को 15-13, 16-18, 15-11 से हराया। वहीं, लड़कियों के अंडर 15 सिंगल्स में, खुशी पाहवा ने अनन्या शिंदे को 7-15, 15-11, 15-12 से हराया। लड़कों के अंडर 17 सिंगल्स में, ईशान साल्वी ने रुजुल वदाते को 14-16, 15-8, 15-11 से हराया। वहीं, लड़कियों के अंडर 17 सिंगल्स में, साईशा नाइक ने नुपुर ठाकरे को 17-15, 4-15, 15-13 से हराया।

समापन समारोह में प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया, जिनमें शिशिर अग्रवाल (मुख्य मानव संसाधन अधिकारी, पीएनबी मेटलाइफ), महेंद्र मुनोत (मुख्य संचालन अधिकारी, पीएनबी मेटलाइफ), हर्ष शाह (मुख्य बीमा प्रबंधक), सुधा सुनील राठी (मुख्य बीमा प्रबंधक), आनंद पवार (पूर्व अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी), और समीर पटांकर (माननीय सचिव, मुंबई उपनगर बैडमिंटन संघ) शामिल थे। उन्होंने युवा चैंपियनों को जेबीसी ट्रॉफी प्रदान की। पीएनबी मेटलाइफ के एमडी और सीईओ श्री समीर बंसल ने इस इवेंट के युवा विकास में योगदान को महत्वपूर्ण बताया और खेलों के माध्यम से आत्मविश्वास और शारीरिक फिटनेस के निर्माण की भूमिका पर जोर दिया। इस चैंपियनशिप को विश्व रिकॉर्ड सर्टिफिकेशन एजेंसी द्वारा दुनिया के सबसे बड़े जूनियर बैडमिंटन टूर्नामेंट के रूप में मान्यता प्राप्त है, और इसका अगला चरण 1 सितंबर को लखनऊ के केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शुरू होगा।

मशहूर रैपर सिंगर हनी सिंह का चौंकाने वाला खुलासा

बॉलीवुड के मशहूर सिंगर हनी सिंह हमेशा चर्चा में रहते हैं। जल्द ही उनका एल्बम 'ग्लोरी' आने वाला है। वह इन दिनों इस एल्बम का प्रमोशन करते नजर आ रहे हैं। हनी सिंह ने कहा है कि यह एल्बम उनकी विवादास्पद जिंदगी के बारे में है। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे ड्रग्स ने उनकी जिंदगी बर्बाद कर दी। उसकी मानसिक स्थिति खराब हो गई थी। इस बात को समझते हुए हनी ने बाकी सब कुछ छोड़ दिया और केवल स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी। उन्हें ठीक होने में 7 साल लग गए लेकिन इसी बीच उनका अपनी पत्नी शालिनी से भी अलगाव हो गया। हनी सिंह ने कहा, 'मुझे पैसे, ड्रग्स और महिलाओं की लत लग गई थी।' हनी सिंह की जिंदगी काफी विवादित रही है। अब उन्होंने वापसी कर ली है। अपने एल्बम का प्रमोशन कर रहे हनी सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा, 'शादी के 9 से 10 महीने अच्छे बीते। उसके बाद हमारे रिश्ते अच्छे नहीं थे।

चूँकि मैं बहुत यात्रा कर रहा था, इसलिए हमारे बीच दूरी थी। पहले तो चीजें अच्छी थीं। फिर सफलता और प्रसिद्धि मेरे सिर चढ़ गई। मैं पैसे, शोहरत, ड्रग्स और महिलाओं का आदी था। मैंने खतरनाक चीजें कीं। मैं पत्नी शालिनी के बारे में लगभग भूल ही गया था।'

नशे की शुरुआत बड़े लोगों की वजह से हुई

इस इंटरव्यू में हनी सिंह से पूछा गया कि उन्हें ड्रग्स से किसने परिचित कराया? इस पर हनी ने जवाब दिया, 'कुछ नाम हैं, बहुत प्रभावशाली नाम। उन्होंने मुझे बहुत परेशान किया। मैं इन चीजों का इतना आदी हो गया था कि मैं एक अलग ब्रह्मांड में था। कई बार तो मुझे पता ही नहीं चलता था कि मेरे आसपास क्या हो रहा है।'

7 साल बाद नशे की लत से छुटकारा मिल गया

आपने अपनी लत पर कैसे काबू पाया? ये सवाल आगे हनी सिंह से पूछा गया। उन्होंने कहा, 'मैंने इस बात पर जोर दिया कि इन सभी व्यसनों से छुटकारा पाने के लिए मुझे पुनर्जन्म लेने की जरूरत नहीं है। मैंने शराब, चरस और अन्य पदार्थ छोड़ दिये। मैंने अपने परिवार को अपने मानसिक स्वास्थ्य के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि इसका तुरंत इलाज करना जरूरी है। मैंने अपने स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी और ठीक होने तक काम करने से इनकार कर दिया। इसे ठीक होने में 7 साल लग गए।'

फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' से करीना कपूर ने दिखाई अपनी नई झलक

करीना कपूर पिछले काफी समय से फिल्म 'द बकिंघम मर्डर्स' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। फिल्म से उनके कई पोस्टर सामने आ चुके हैं, जिसके बाद उनकी इस फिल्म की रिलीज को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ गई है। हाल ही में फिर करीना ने फिल्म से अपनी झलक सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को दिखाई। इसी के साथ अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उनकी इस फिल्म का ट्रेलर कब रिलीज हो रहा है। करीना ने जो नया पोस्टर फिल्म से शेयर किया है, इसमें उनका लुक एकदम अलग है। उनका गंभीर अवतार देखने को मिल रहा है। वह किसी को संदिग्ध नजरों से देख रही हैं। पोस्टर शेयर कर करीना ने लिखा, 'ट्रेलर 3 सितंबर आएगा, मिलते हैं।' हाल ही में निर्माताओं ने इस फिल्म का पहला गाना 'साडा प्यार टूट गया' रिलीज किया था, जो एक जासूस के रूप में उनके किरदार के अलग-अलग रंग सामने लाता है।

इस फिल्म से करीना बतौर निर्माता अपनी शुरुआत कर रही हैं। फिल्म जसमीत भामरा की कहानी है, जो एक जासूस और मां है, जिसे अपने बच्चे को खोने के बाद 'बकिंघमशायर' में एक 10 वर्षीय बच्चे की हत्या की जांच करनी है, रहस्यों के जाल में उतरना है, जहां छोटे शहर का लगभग हर व्यक्ति संदिग्ध बन जाता है। फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता तो निर्माता एकता कपूर हैं। 'बकिंघम मर्डर्स' 13 सितंबर को सिनेमाघरों में आ रही है।

'कैमरे का सामना करने के लिए बेहद उत्साहित हूं!': सोनम कपूर

बॉलीवुड स्टार सोनम कपूर अगले साल की शुरुआत में अपनी प्रेग्नेंसी के बाद अपने पहले प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। यह एक ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीमिंग प्रोजेक्ट होगा। हालांकि, इस प्रोजेक्ट के बारे में अतिरिक्त जानकारी जल्द ही घोषित की जाएगी। सोनम ने पुष्टि की, मैं अपनी प्रेग्नेंसी के बाद फिर से कैमरे का सामना करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। मुझे एक्टर होना पसंद है और अपने प्रोफेशन के जरिए इतने दिलचस्प किरदारों को जीना पसंद है। इंसान मुझे हमेशा से आकर्षित करते हैं और मुझे अलग-अलग भूमिकाएं निभाना बहुत पसंद है। मैं अपने अगले प्रोजेक्ट का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं। उन्होंने कहा, मैं अगले साल की शुरुआत में सेट पर लौटूंगी। इस प्रोजेक्ट की डिटेल्स अभी तय की जा रही हैं, इसलिए मैं इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं दे सकती। यह एक बड़ा प्रोजेक्ट है। फिलहाल मैं इतना ही कह सकती हूं।

'सिकंदर' के सेट पर डायरेक्टर संग मस्ती करते दिखे सलमान

सलमान खान स्टारर ए आर मुरुगदॉस द्वारा डायरेक्टेड और साजिद नाडियाडवाला की फिल्म 'सिकंदर' की अनाउंसमेंट के बाद से ही इसके लिए एक्साइटमेंट बहुत ज्यादा बढ़ गई है। फिल्म के बारे में मिले अपडेट के बाद से ही दर्शकों के बीच दिलचस्पी बढ़ चुकी थी। अब जारी की नई फोटोज देख फैंस और ज्यादा एक्साइटेड हो गए हैं। इन फोटोज में फिल्म के 45 दिन के शूटिंग शेड्यूल के करीब से झलक देखने को मिल रही है सिकंदर' की शूटिंग जून में शुरू हुई थी। फिल्म में एक बड़ा एक्शन सीन होगा, जो सलमान खान के साथ सी लेवल से 33,000 फीट ऊपर एक प्लेन के अंदर शूट किया जाना है। मेकर्स ने अब सेट से एक्सक्लूसिव तस्वीरें शेयर की हैं। टीम फिलहाल 45 दिनों के शूटिंग शेड्यूल पर काम कर रही है और उसके बाद वे हैदराबाद के एक महल में चले जाएंगे। फिल्म के लिए धारावी और माटुंगा जैसे सेट बनाए गए हैं। सलमान खान की पसलियों में चोट है, लेकिन वे शूटिंग कर रहे हैं और ज्यादा से ज्यादा सावधानी बरती जा रही है। 'सिकंदर' के अलावा सलमान जल्द ही बिग बॉस के 18 वे सीजन में बतौर होस्ट वापसी भी करते नजर आएंगे। पिछले दिनों सलमान की खराब हेल्थ देख अंदाजा लगाया गया था कि भाईजान शायद इस सीजन के लिए भी मना कर देंगे लेकिन अब उनके एक करीबी सूत्र ने उनके बिग बॉस न होस्ट खबरों को झूठ करार कर दिया है।

'मेरी फिल्म पर ही इमरजेंसी लग गई है!': कंगना रनौत

बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत की अपकमिंग फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज टल गई है। यह मूवी 6 सितंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी। इमरजेंसी फिल्म के खिलाफ पिछले कुछ दिनों से जमकर विरोध हो रहा है। इस बीच सेंसर बोर्ड से अभी फिल्म को हरी झंडी नहीं मिली है। अब इस मामले में कंगना रनौत ने रिएक्ट किया है। उनका कहना है कि वह किसी भी हाल में अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' को रिलीज करेंगी। चाहे उसके लिए उन्हें कोर्ट का दरवाजा क्यों न खटखटाना पड़े। एक इंटरव्यू में कंगना रनौत ने अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' की रिलीज पर लगी रोक को लेकर बात की। उन्होंने कहा, 'मेरी फिल्म पर ही इमरजेंसी लग गई है। बहुत निराशाजनक स्थिति है। मैं बहुत ज्यादा निराश हूं अपने देश से और जो भी हालात हैं।'

सेंसर बोर्ड से नहीं मिला सर्टिफिकेट

कंगना रनौत का कहना है कि उन्हें अलग-थलग किया जा रहा है. उन्होंने अपनी फिल्म 'इमरजेंसी' में जिन घटनाओं को दिखाया है, वो मधुर भंडारकर की पॉलिटिकल-थ्रिलर 'इंदू सरकार' और मेघना गुलजार की 'सैम बहादुर' जैसी फिल्मों में पहले ही दिखाया जा चुका है। कंगना रनौत ने बताया कि उन्होंने पहले ही सीबीएफसी से अपनी फिल्म को सर्टिफाइड करा लिया था, लेकिन कई याचिकाओं की वजह से 'इमरजेंसी' का सर्फिफिकेशन रोक लिया गया। कंगना रनौत ने कहा कि आज भी दकियानूसी फिल्में बन रही है, लेकिन उनकी दिलचस्पी ऐसी मूवीज को बनाने में नहीं है। उन्होंने कहा, 'झड़ियों के पीछे लड़का-लड़की रोमांस कर रहे हैं। क्या हम वही दकियानूसी कहानियां बनाते रहे। आज हम इससे डर जाएंगे, कल उससे डर जाएंगे। फिर हम डरना शुरू कर देंगे। हम कब तक डरेंगे? मैंने अपने पूरे स्वाभिमान से फिल्म बनाई है और सेंसर बोर्ड उसमें कोई चीज पॉइंट आउट नहीं कर पा रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

जाति जनगणना को चुनाव में राजनीतिक हथियार ना बनाया जाए : आरएसएस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने सोमवार को कहा कि जाति आधारित जनगणना लोगों के कल्याण के लिए सही है, लेकिन इसे चुनावों में राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। सरकार को सिर्फ डेटा के लिए जातिगत जनगणना करवानी चाहिए। RSS के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा- हमारे हिंदू समाज में जाति बहुत संवेदनशील मुद्दा है। जनगणना हमारी राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए अहम है। इसे बहुत गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए। किसी जाति या समुदाय की भलाई के लिए भी सरकार को आंकड़ों की जरूरत होती है। ऐसा पहले भी हो चुका है, लेकिन इसे सिर्फ समाज की भलाई के लिए किया जाना चाहिए। इसे चुनावों का पॉलिटिकल टूल न बनाएं। केरल के पलक्कड़ में 31 अगस्त से चल रही तीन दिन की समन्वय बैठक के आखिरी दिन सुनील आंबेकर ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर, यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) और बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर भी बात की।

जम्मू-कश्मीर BJP अध्यक्ष रविंद्र रैना नौशेरा से लड़ेंगे चुनाव

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ती जा रही है। सोमवार को भाजपा और कांग्रेस दोनों ने अपने-अपने कुछ और उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। बीजेपी ने आगामी जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए 6 उम्मीदवारों की चौथी सूची जारी की। इससे पता चलता है कि जम्मू-कश्मीर भाजपा प्रमुख रविंद्र रैना नौशेरा से चुनाव लड़ेंगे। पार्टी की ओर से जारी इस सूची के मुताबिक, लाल चौक से इंजीनियर ऐजाजा हुसैन, ईदगाह से आरिफ रजा, खानसाहिब से अली मोहम्मद मीर, चरार-ए-शरीफ से ताहिद हुसैन और राजौरी से विबोध गुप्ता पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

झारखंड कांस्टेबल भर्ती में कितनी मौतें? पुलिस ने 11, मंत्री ने बताया 4

रांची। झारखंड में एक्साइज कांस्टेबलों की भर्ती के लिए आयोजित फिजिकल टेस्ट में दौड़ के दौरान बेहोश होकर जान गंवाने वाले युवकों की संख्या पर विरोधाभासी आंकड़े सामने आ रहे हैं। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सोमवार को कहा कि एक्साइज कांस्टेबलों के लिए जारी शारीरिक परीक्षा के दौरान केवल चार अभ्यर्थियों की मौत हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी उम्मीदवार की मौत दुखद है। स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता का यह बयान झारखंड पुलिस के दावे के उलट है, जिसमें 11 लोगों की मौत की जानकारी दी गई थी। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने आंकड़ों की सत्यता पर सवाल उठाते हुए कहा कि ये संख्या गलत है। उन्होंने कहा- ये आंकड़े कहां से आ रहे हैं? ये प्रामाणिक नहीं हैं। कुल 4 लोगों की मौत हुई है। इसके साथ ही स्वास्थ्य मंत्री ने इन मौतों के लिए कोविड महामारी के बाद बढ़ती हृदय संबंधी समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर व्यक्तिगत क्षमता के अनुसार व्यायाम करने की सलाह दे रहे हैं।

भाजपा सदस्यता अभियान शुरू, मोदी ने ली पहली सदस्यता

पहले कार्यकर्ता जेल में रहते थे या बेल पर, सत्ताधारियों के जुल्म सहकर यहां तक पहुंचे : मोदी

एजेंसी । विजयवाड़ा

भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को 'संगठन पर्व, सदस्यता अभियान 2024' लॉन्च किया। इस मौके पर सबसे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी की सदस्यता ली। इसके बाद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह समेत भाजपा के बड़े नेताओं ने फिर से पार्टी की सदस्यता ली। पीएम मोदी ने कहा कि आज भाजपा के सदस्यता अभियान का एक और दौर शुरू हो रहा है। भारतीय जनसंघ से अब तक हमने देश में एक नई राजनीतिक संस्कृति लाने की कोशिश की है। हम वो लोग हैं जिन्होंने दीवारों पर कमल भी बड़ी श्रद्धा से पेंट किया। हमें विश्वास था दीवारों पर पेंट किया हुआ कमल कभी न कभी दिलों पर भी पेंट हो जाएगा। पीएम ने आगे कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं को लेकर कहा जाता था कि इनका एक पैर रेल में रहता है और दूसरा जेल में। रेल में क्योंकि कार्यकर्ता लगातार भ्रमण किया करते थे। और जेल में इसलिए क्योंकि तब सत्ताधारी एक जुलूस भी नहीं निकालने देते थे। वे हमें जेल में डाल देते थे। हम ऐसे सत्ताधारियों के जुल्म सहकर यहां तक पहुंचे हैं।

पीएम के भाषण की प्रमुख बातें...

ये जो सदस्यता अभियान होगा, जो संगठन की संरचना होगी, इसी दौरान विधानसभाओं और लोकसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू हो गया होगा। इस सदस्यता अभियान में मैं उन सभी लोगों को जोड़ूंगा, जो मेरी पार्टी के इतने महत्वपूर्ण निर्णय में अधिकतम महिलाओं को विजयी बनाकर सांसद, विधायक बना सकें।

- देश में ऐसे-ऐसे इलाके हैं, जहां व्यवस्थाएं इतने सालों के बाद भी पहुंच नहीं पाई थीं। कई लोग जिन्होंने तीन-तीन, चार-चार पीढ़ी में घर नहीं देखा था, जिनका कोई अता-पता नहीं था, वे झुग्गी-झोपड़ी व फुटपाथ पर जिंदगी गुजारते थे। ऐसे 4 करोड़ परिवारों को हमने पता दिया है। और जब जिंदगी में घर का पता तय हो जाता है तो मंजिल का पता अपने आप बनने लगता है।
- मेरे सामने जो अभी 18 से 25 साल की उम्र का जवान है, वह मेरे 2047 के सपने को पूरा करने के लिए शक्ति का सबसे बड़ा स्रोत है। इसलिए युवाओं को विकसित भारत के लक्ष्य को पूरा करने के लिए जोड़ना है, नेशन फर्स्ट के विचार से जोड़ना है।
- हम सिर्फ चुनावी मशीन नहीं हैं। हम वो खाद-पानी हैं, जो देशवासियों के सपनों को सींचा करते हैं। हम वो खाद-पानी हैं जो अपने आप को खपा कर देश के सपनों को संकल्प और संकल्प को सिद्धि तक ले जाने की यात्रा में अपने आप को डूबो देते हैं।
- आज देश के गरीब का सबसे ज्यादा भरोसा हमारी नीतियों, निर्णयों और हमारे अपनाए हुए रास्तों से निकले नतीजों में है। इसलिए हमें उस सामर्थ्य के साथ आगे बढ़ना है। मुझे पूरा विश्वास है कि ये सदस्यता अभियान पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ेगा।

शाह बोले- भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी तो है ही, साथ ही सभी राजनीतिक दलों में एक प्रकार से अनूठी पार्टी है। आज भारत के 1,500 से अधिक राजनीतिक दलों में कोई भी दल लोकतांत्रिक तरीके से विश्वास और खुलेपन के साथ हर 6 साल के बाद अपने सदस्यता अभियान नहीं चलाता है।

नड्डा बोले- पीएम मोदी ने हमेशा संगठन को सबसे आगे रखा :

कार्यक्रम में जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री देश का प्रधानसेवक होने के नाते, 140 करोड़ देशवासियों के नेतृत्व करने के नाते प्रशासन की बारीकियों में दिन-रात व्यस्त रहते हैं। उसके बावजूद हम सबके लिए आदर्श हैं। उन्होंने हमेशा संगठन को सर्वोपरि रखा है और संगठन प्रथम है। संगठन को जब भी जरूरत पड़ी है, तो व्यस्तताओं के बीच भी वे पार्टी को आगे बढ़ाने की चिंता करते हैं।

राजनाथ सिंह बोले- हमारी पार्टी कथनी-करनी में फर्क नहीं करती :

राजनाथ सिंह ने कहा कि नेताओं की कथनी और करनी में फर्क होने की वजह से देश की राजनीति और नेताओं के ऊपर जनता का भरोसा कम हुआ है। भारतीय राजनीति में इससे पहले नेताओं की कथनी और करनी में जो विश्वास का संकट पैदा हुआ था, उसे किसी ने चुनौती के रूप में स्वीकार किया है, तो वह हमारे पीएम ने किया है।

वैष्णो देवी के रास्ते में लैंडस्लाइड

2 महिलाओं की मौत एक जख्मी, आंध्र-तेलंगाना में बाढ़ से गई 19 की जान

एजेंसी । नई दिल्ली

देश में बारिश का दौर जारी है। मध्य प्रदेश और गुजरात समेत 6 राज्यों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट है। इस बीच जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर के नए मार्ग पर सोमवार को लैंडस्लाइड होने से 3 तीर्थ यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से 2 महिलाओं की मौत हो गई। एक लड़की का इलाज चल रहा है। अफसरों ने बताया कि दोपहर करीब 2.35 बजे पांची के पास भूस्खलन हुआ। मिट्टी गिरने से मार्ग के ऊपर बना टीन शेड गिर गया। इसकी चपेट में कई लोग आ गए। उधर,आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भारी बारिश के चलते बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। बाढ़ और बारिश के चलते 2 दिनों में आंध्र में 9 और तेलंगाना में 10 लोगों की मौत हुई है। दोनों राज्यों में 140 ट्रेन कैंसिल हुई हैं। 54 से ज्यादा ट्रेन डायवर्ट की गई हैं। NDRF की 26 टीम तैनात की गई हैं। उफनती नदियों के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया है।

17 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया

आंध्र प्रदेश में 1998 के बाद ऐसी बाढ़ आई है। 17 हजार लोगों का रेस्क्यू किया गया है। विजयवाड़ा में 2.76 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। कुछ इलाकों में 10 फीट तक पानी भरा है। तेलंगाना में सूर्यपेट, भद्राद्री, कोठागुडेम, महबूबाबाद जिले बाढ़ से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। खम्मम के 110 गांव पूरी तरह से पानी में डूबे हैं। हैदराबाद में आज स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है।

PM ने आंध्र और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों से बात की :

प्रधानमंत्री मोदी ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और तेलंगाना के CM रेवंत रेड्डी से फोन पर बात कर राज्य के हालात की जानकारी ली। PM ने दोनों को केंद्र की ओर से हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

आंध्र CM बोले- बारिश ने राज्य को हिलाकर रख दिया है

सीएम एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि भारी बारिश ने राज्य को हिलाकर रख दिया है। विजयवाड़ा और गुंटूर शहर पूरी तरह से जलमग्न हो गए हैं। विजयवाड़ा-गुंटूर नेशनल हाईवे और विजयवाड़ा-हैदराबाद नेशनल हाईवे भी बाढ़ से प्रभावित हैं। 100 से ज्यादा राहत शिविरों में 17 हजार लोग रह रहे हैं। बुडामेरु नदी उफान पर है। 1.1 लाख हेक्टेयर जमीन पर फसलें पूरी तरह से तबाह हो गई हैं।

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट जारी करेगा गाइडलाइन

कहा- सिर्फ आरोपी होने पर किसी का घर नहीं गिरा सकते, दोषी हो तब भी नहीं

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को देशभर में आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सिर्फ आरोपी है तो प्रॉपर्टी गिराने की कार्रवाई कैसे की जा सकती है? जस्टिस विश्वनाथन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने कहा, ₹अगर कोई दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है।₹ सुप्रीम कोर्ट जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसमें आरोप लगाया गया है कि BJP शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। अब इस केस की सुनवाई 17 सितंबर को होगी।

याचिका में आरोप-पीड़ितों को बचने का मौका नहीं दिया

- जमीयत के वकील फारूक रशीद का कहना है कि अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न करने और उन्हें डराने के लिए राज्य सरकारें घरों और संपत्तियों पर बुलडोजर एक्शन को बढ़ावा दे रही हैं।
- याचिका में यह भी आरोप है कि सरकारों ने पीड़ितों को अपना बचाव करने का मौका ही नहीं दिया। बल्कि कानूनी प्रक्रिया का इंतजार किए बिना पीड़ितों को तुरंत सजा के तौर पर घरों पर बुलडोजर चला दिया।
- राजस्थान के उदयपुर में 17 अगस्त को चाकूबाजी के आरोपी के पिता सलीम के घर पर बुलडोजर एक्शन हुआ था।
- राजस्थान के उदयपुर में 17 अगस्त को चाकूबाजी के आरोपी के पिता सलीम के घर पर बुलडोजर एक्शन हुआ था।

बुलडोजर एक्शन पर कोर्ट के कमेंट, केंद्र का जवाब

हम यहां अवैध अतिक्रमण के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। इस मामले से जुड़ी पार्टियां सुझाव दें। हम पूरे देश के लिए गाइडलाइन जारी कर सकते हैं: सुप्रीम कोर्ट

किसी का बेटा आरोपी हो सकता है, लेकिन इस आधार पर पिता का घर गिरा देना! यह कार्रवाई का सही तरीका नहीं है- सुप्रीम कोर्ट

किसी भी आरोपी की प्रॉपर्टी इसलिए नहीं गिराई गई क्योंकि उसने अपराध किया। आरोपी के अवैध कब्जों पर म्युनिसिपल एक्ट के तहत एक्शन लिया है- केंद्र सरकार

बंगाल में बलात्कार की सजा मौत

कोलकाता कांड में घिरी ममता सरकार के ड्राफ्ट बिल में क्या-क्या प्रावधान?

एजेंसी । कोलकाता

कोलकाता कांड पर चहुंओर घिरी पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार बलात्कार के दोषियों को सख्त सजा देने के लिए एक ड्राफ्ट कानून मंगलवार को विधान सभा में पेश करने जा रही है। सरकार ने इस ड्राफ्ट बिल में बलात्कार के दोषी व्यक्तियों के लिए सजा-ए-मौत का प्रस्ताव किया है। ड्राफ्ट बिल के मुताबिक यदि दोषी बलात्कारी की करतूतों के कारण पीड़िता की मौत हो जाती है या वह अचेत अवस्था में चली जाती है, तो उसे सजा-ए-मौत देने का प्रावधान किया गया है।

महिलाओं और बच्चों की बेहतर सुरक्षा ड्राफ्ट बिल का उद्देश्य :

रिपोर्ट के अनुसार, ड्राफ्ट बिल में यह भी प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार या सामूहिक बलात्कार के दोषी लोगों को आजीवन कारावास की सजा दी जाएगी। इस ड्राफ्ट बिल का नाम 'अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून एवं संशोधन) विधेयक 2024' रखा गया है। इस नए कानून का उद्देश्य मौजूदा कानूनों में संशोधन करना और बलात्कार और यौन अपराधों के बारे में नए नियम जोड़कर महिलाओं और बच्चों की बेहतर सुरक्षा करना है। इस ड्राफ्ट बिल में भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 में संशोधन करने का भी प्रस्ताव है। इसके अलावा इस संशोधन का उद्देश्य दोषियों को दी जाने वाली सजा में इजाफा करना, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ गंभीर अपराधों की जांच में तेजी लाना और त्वरित न्याय सुनिश्चित कराने के लिए कानूनी ढांचा तैयार करना है।

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के घर फायरिंग

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान खान से दोस्ती पर धमकाया

एजेंसी । नई दिल्ली

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के घर पर फायरिंग हुई है। यह हमला सिंगर के कनाडा स्थित घर पर हुआ है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के ग्रुप ने इसकी जिम्मेदारी ली है। इससे पहले पंजाबी फिल्म स्टार गिप्पी ग्रेवाल और पंजाबी सिंगर करण औजला के घर पर भी कनाडा में फायरिंग हो चुकी है।सलमान के घर पर फायरिंग की जिम्मेदारी भी लॉरेंस बिश्नोई के ग्रुप ने ही ली थी। सूत्रों का कहना है कि एपी ढिल्लों के विक्टोरिया आइलैंड स्थित घर के पास से फायरिंग की आवाजें सुनी गईं। अब तक इस मामले में अमृतपाल सिंह ढिल्लों की ओर से कुछ कहा नहीं गया है। वहीं लॉरेंस बिश्नोई और उसके करीबी रोहित गोदारा की गैंग ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल

एक मैसेज सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि 1 सितंबर की रात को एपी ढिल्लों के दो ठिकानों पर फायरिंग की गई। एक हमला विक्टोरिया आइलैंड स्थित आवास पर हुआ है तो वहीं उनके टोरंटो के वुडब्रिज स्थित घर पर भी फायरिंग हुई। गैंग ने धमकी देते हुए एपी ढिल्लों से कहा है कि यह हमला सलमान खान से उनकी दोस्ती के चलते किया गया है। यही नहीं उन्हें धमकी देते हुए कहा गया कि वह सलमान खान से दूर रहें और अपनी हदें पार न करें। ऐसा नहीं किया तो उन्हें 'कुत्ते की मौत' मारा जाएगा।

सलमान के करीबी होते हैं निशाने पर

पिछले महीने ही एपी ढिल्लों का नया गाना ओल्ड मनी रिलीज हुआ था, जिसमें बॉलीवुड एक्टर सलमान खान और संजय दत्त नजर आए थे। सलमान खान ने इस गाने की छोटी सी क्लिप सोशल मीडिया पर शेयर भी की थी, जिसमें सलमान खान और एपी ढिल्लों जबरदस्त एक्शन अंदाज में नजर आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला पिछले साल भी सामने आया था जब एक फेमस पंजाबी सिंगर का गाना सलमान खान ने रिलीज किया था, जिसके बाद कनाडा में ही वैंकूवर में उनके घर के बाहर गोलीबारी हुई थी। इस घटना की जिम्मेदारी लारेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी और सोशल मीडिया पर पोस्ट डाल कर कहा था कि उस सिंगर की सलमान खान के साथ दोस्ती है, इसी वजह से हमने उसके घर पर फायरिंग की। सलमान खान के भी मुंबई स्थित घर पर फायरिंग हुई थी। उसकी जिम्मेदारी भी लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप ने ही ली थी।

दोस्ताना पुतिन बोले- मेरे बच्चे भी बोलते हैं चाइनीज

सिर चढ़कर बोल रहा रूस पर चीन का असर

एजेंसी । मॉस्को

यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे रूस पर चीन का प्रभाव बढ़ता ही जा रहा है। चीनी भाषा मंदारिन को पूरे रूस में सबसे पसंदीदा विदेशी भाषा के रूप में देखा जा रहा है। लगातार बढ़ती मंदारिन की लोकप्रियता के बीच सोमवार को रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि उनके परिवार के बच्चे एक दम साफ मंदारिन बोलते हैं। स्कूली बच्चों से बात करते हुए पुतिन ने कहा कि हमें मंदारिन को सीखना चाहिए लेकिन अंग्रेजी के महत्व को भी समझना चाहिए क्योंकि यह एक अहम भाषा है जो हमें दुनियाभर के ज्ञान को समझने के लिए जरूरी है। पुतिन ने कहा कि मैं अच्छी तरह से जर्मन बोल सकता हूं समझ सकता हूं लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अंग्रेजी से मुंह मोड़ लूं। मैंने अंग्रेजी भी सीखी है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी एक महान भाषा है। इसने दुनियाभर के ज्ञान को एकजुट किया है और मानव सभ्यताओं को करीब लाया है, इसके साथ ही इसने मानवता को बहुत कुछ दिया भी है। इसलिए हमारे लिए यह जरूरी है कि हम अंग्रेजी सीखने में भी ध्यान दें। 2022 में हुई रूसी जनगणना के मुताबिक रूस में,रूसी,अंग्रेजी, तातार, जर्मन और चेचन भाषा सबसे ज्यादा बोली जाती हैं, जबकि मंदारिन पहले बहुत कम बोली जाती थी लेकिन हालिया समय में यह काफी तेजी के साथ रूसी घरों में लोकप्रिय हुई है।

अपने परिवार के बारे में बात नहीं करते पुतिन

रूसी मीडिया के मुताबिक पुतिन अपने परिवार के बारे में ज्यादा बात नहीं करते हैं। पुतिन और उनकी पत्नी के बीच में 2014 में तलाक हो गया था। पुतिन और उनकी पत्नी ल्यूडमिला की दो बेटियां हैं और वह रूसी, अंग्रेजी, जर्मन और फ्रेंच भाषा की अच्छी जानकार हैं। पुतिन के परिवार के बारे में रूसी मीडिया का कहना है कि उनके परिवार के बारे में ज्यादा जानकारी तो नहीं है लेकिन राष्ट्रपित के करीब तीन से चार पोते पोतियां हैं।

दुश्मन का दुश्मन दोस्त वाली फिलॉसफी पर अमल कर रहे दोनों देश

रूसी राष्ट्रपति पुतिन और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच लगातार समझौते होते रहे हैं। इसी मई में इन दोनों ने मिलकर एक नए युग का वादा किया था। दरअसल, इन दोनों ही देशों की अमेरिका के ज्यादा बनती नहीं है ऐसे में दुश्मन का दुश्मन दोस्त वाली फिलॉसफी अपना कर यह दोनों ही देश एक-दूसरे के करीब जाते जा रहे हैं। चीन की बढ़ती आर्थिक ताकत अमेरिका की आंखों में खटकती है तो रूसी सैन्य शक्ति पश्चिमी देशों को परेशान करती है। यूक्रेन युद्ध के दौरान लगातार चीन रूस की मदद कर रहा है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन लगातार गोला-बारूद और हथियारों के जरिए रूस की मदद कर रहा है। चीन के तरफ रूस की इसी झुकाव की तरफ इशारा करके पश्चिमी देश भारत को लगातार यह कहते हैं कि यदि भारतीय सीमाओं पर कभी चीनी हमला होता है तो रूस भारत की मदद के लिए कभी आगे नहीं आएगा, इसीलिए भारत को रूस का साथ छोड़ खुले तौर पर अमेरिका की नीतियों का समर्थन करते हुए रूस के ऊपर प्रतिबंध लगाना चाहिए।

नौकरी से निकाला तो महिला CMO पर ताबड़तोड़ किए 3 फायर

एजेंसी । खंडवा

मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की हरसूद नगर परिषद के सीएमओ दफ्तर में सोमवार को दोपहर में फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। पिस्टल लेकर पहुंचे डेली वेजेज पर काम करने वाले ड्राइवर ने महिला सीएमओ (मुख्य नगरपालिका अधिकारी) के आते ही ताबड़तोड़ 3 राउंड फायर किए। आरोपी ने देशी पिस्टल से घटना को अंजाम दिया। गनीमत रही कि इस फायरिंग की घटना में सीएमओ बल बाल बच गईं। हालांकि बीच बचाव करने आया एक कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना हरसूद सीएमओ कार्यालय में दोपहर साढ़े 12 बजे हुई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक, सीएमओ मोनिका पारदी रोज की तरह अपने केबिन में काम कर रही थीं। इसी दौरान सीएमओ का ड्राइवर विशाल नामदेव अचानक केबिन में घुस गया। उसे डेली वेजेज पर रखा गया था। उसने आते से ही देशी पिस्टल से सीएमओ पारदी पर एक के बाद एक 3 राउंड फायर किए। फायरिंग की आवाज से परिसर में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया।

आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। बताया जाता है कि हमलावर ड्राइवर को डीजल चोरी एवं अन्य आरोपों के चलते नगर परिषद सीएमओ मोनिका पारधी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसका उसने संतोषजनक जवाब नहीं दिया था। इससे सीएमओ ने उसे बर्खास्त कर दिया था। इसी बात से गुस्से में आकर आरोपी विशाल नामदेव ने घटना को अंजाम दिया। तीनों गोलियां दीवारों पर लगीं। गोलीबारी के दौरान कर्मचारी राकेश बीच बचाव करने पहुंचे तो आरोपी ने पिस्टल की बट से उनके सिर पर वार किया।